घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 47- बुधवार 17- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

संक्षिप्त समाचार

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को राहत,दिल्ली कोर्ट ने ईडी की शिकायत खारिज की

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और 5 अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। ईडी ने कहा है कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में दाखिल चार्जशीट एक व्यक्ति की निजी शिकायत से जुड़ी है, न कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अनुसूचित अपराध से जुड़े एफआईआर पर। ऐसे में इस पर संज्ञान लेना संभव नहीं है। नेशनल हेराल्ड मामला बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की एक शिकायत से जुड़ा है। स्वामी ने सोनिया, राहुल और अन्य कांग्रेस नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड कंपनी की 2,000 करोड़ की संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। इस मामले में सुमन दुबे,सैम पित्रोदा,यंग इंडियन,डोटेक्स मर्चेंडाइज और सुनील भंडारी भी आरोपी है।

बिलों के हिंदी शब्द गैर-हिंदी भाषियों का अपमान,75 साल की परंपरा से किसी को दिक्कत नहीं हुई : चिदंबरम

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सरकार की तरफ से संसद में पेश होने वाले बिलों के टाइटल में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल की बढ़ती प्रथा की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों का अपमान है। चिदंबरम ने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोग ऐसे बिल/एक्ट को नहीं पहचान सकते जिनके टाइटल अंग्रेजी अक्षरों में लिखे हिंदी शब्दों में हों। वे उनका उच्चारण भी नहीं कर सकते। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को मनरेगा के नाम 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025' पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा- यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों और उन राज्यों का अपमान है जिनकी आधिकारिक भाषा हिंदी के अलावा कोई और है। राज्यसभा सांसद चिदंबरम ने सरकार से सवाल किया कि- अभी तक यह प्रथा थी कि बिल का टाइटल अंग्रेजी वर्जन में अंग्रेजी शब्दों में और हिंदी वर्जन में हिंदी शब्दों में लिखा जाता था। 75 साल की इस प्रथा में किसी को दिक्कत नहीं हुई,तो सरकार को बदलाव क्यों करना चाहिए? पिछली सरकारों ने इस वादे को दोहराया है कि अंग्रेजी एक सहयोगी आधिकारिक भाषा बनी रहेगी।

लोकसभा में शिवराज सिंह ने 'विकसित भारत-जी राम जी' बिल पेश किया

सरकार को नाम बदलने की सनक : प्रियंका

राम का नाम बदनाम न करो : सांसद शशि थरूर

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (विकसित भारत-जी राम जी) बिल,2025' पेश किया। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करते हैं। हर योजना का नाम बदलने की सनक समझ नहीं आती है। बिना चर्चा के बिना सलाह लिए विधेयक को पास न करें। इसे वापस लें। नया विधेयक पेश करें। उन्होंने कहा महात्मा गांधी मेरे परिवार के नहीं, मेरे परिवार जैसे ही हैं। पूरे देश की यही भावना है। कम से कम स्थायी समिति के पास इस बिल को भेंजे। कोई विधेयक किसी की निजी महत्वकांक्षा, सनक और पूर्वाग्रहों के आधार पेश नहीं होना चाहिए। और ना ही पास होना चाहिए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी 'विकसित भारत- जी राम जी' बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी का नाम बदलना सही नहीं है। महात्मा गांधी का नाम राज्य का विजन पॉलिटिकल नहीं सामाजिक विकास का था। उनका नाम ही हटाना गलत है। राम का नाम बदनाम ना करो।

विकसित भारत-जी राम जी बिल मनरेगा स्कीम को रिप्लेस करेगा

विकसित भारत-जी राम जी बिल पास हो जाता है तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को रिप्लेस करेगा। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी।

नड्डा बोले- कांग्रेस सरकार के दौरान कई बार एसआईआर हुआ : राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कोई नई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची तैयार करना और उसे शुद्ध रखना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। संविधान के प्रावधान चुनाव आयोग को यह अधिकार देते हैं कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से छूटे नहीं और कोई अयोग्य व्यक्ति सूची में शामिल न हो। जेपी नड्डा ने कहा कि वोटर लिस्ट में नाम शामिल होने के लिए सबसे पहली शर्त भारतीय नागरिक होना है। उन्होंने बताया कि एसआईआरपहले भी कई बार हो चुका है 1952, 1957, 1961, 1965, 1983, 1987-89, 1992, 2002 और 2004 में। उन्होंने कहा कि एक बार अटल बिहारी वाजपेयी के समय को छोड़ दें तो अधिकांश एसआईआर कांग्रेस सरकारों के दौरान हुए हैं।

ये बिल राम राज्य की स्थापना के अनुरूप : शिवराज

शिवराज चौहान ने कहा- महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं। गांधीजी का दीनदयाल जी का संकल्प था कि जो सबसे नीचे हैं उनका कल्याण पहले किया जाए। हमने यूपीए से 4 गुना ज्यादा मनरेगा में खर्च कर योजना को मजबूत किया है। तकलीफ क्या है, 100 दिन की बजाय 125 दिन की गारंटी देंगे। 1 लाख 51 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि का प्रावधान किया गया। कांग्रेस ने जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला तो क्या नेहरू जी का अपमान हुआ। इस बिल से हम गरीब का सम्मान और महात्मा गांधी का सपना पूरा कर रहे हैं। ये बिल गांधी जी की भावनाओं के अनुरूप राम राज्य की स्थापना के अनुरूप है।

बिल का नाम सही नहीं, संसद में गंभीर चर्चा होनी चाहिए : थरूर बोले-

मनरेगा का नाम बदलने के बिल के खिलाफ कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि बिल का नाम सही नहीं है क्योंकि दो भाषाओं का इस्तेमाल किया गया है, जबकि संविधान के अनुसार एक भाषा का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाना खुद में सही नहीं है, लेकिन बिल में 'राम' को शामिल करने के लिए कई भाषाओं का इस्तेमाल किया गया। थरूर ने कहा कि यह गंभीर मामला नहीं है, क्योंकि महात्मा गांधी रामराज्य और ग्राम स्वराज के बारे में हमेशा बात करते थे, और उनके अनुसार रामराज्य तभी आएगा जब ग्राम स्वराज होगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम का नाम कई अन्य संदर्भों में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन महात्मा गांधी का नाम हटाना गलत है। थरूर ने यह भी कहा कि कई राज्यों के पास नए नियमों के अनुसार मजदूरी का 40% देने के लिए पैसा नहीं है।

प्रियंका ने कहा...बिल किसी की सनक पर पेश नहीं होना चाहिए...

प्रियंका ने कहा कि मनरेगा में 90% योगदान केंद्र देता था, अब ज्यादातर प्रदेशों में 60% आएगा। इससे राज्यों की अर्थव्यवस्था पर फर्क पड़ेगा। इससे केंद्र का नियंत्रण बढ़ाकर जिम्मेदारी घटाई जा रही है। उन्होंने कहा, 'रोजगार तो 125 दिन होगा, लेकिन वेतन की बढ़ोतरी की बात नहीं है। हर योजना का नाम बदलने की सनक समझ नहीं आती है। बिना चर्चा के बिना सलाह लिए विधेयक को पास न करें, इसे वापिस लें, नया विधेयक पेश करें। महात्मा गांधी मेरे परिवार के नहीं, मेरे परिवार जैसे ही हैं। पूरे देश की यही भावना है। कम से कम स्थायी समिति के पास भेजे। कोई विधेयक किसी की निजी महत्वकांक्षा, सनक और पूर्वाग्रहों के आधार पेश नहीं होना चाहिए। और ना ही पास होना चाहिए।'

स्कीम से महात्मा गांधी का नाम हटाना सही नहीं : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि सच्चाई यह है कि योजना का नाम बदलने की आड़ में सरकार मनरेगा को खत्म करना चाहती है। प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया कि आखिर इस योजना का नाम बदलने की जरूरत क्यों है।

मनरेगा खत्म करना महात्मा गांधी का अपमान, पीएम मोदी को उनके विचारों से समस्या : राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून को खत्म करने की कोशिश महात्मा गांधी के विचारों का सीधा अपमान है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महात्मा गांधी के विचारों और गरीबों के अधिकारों से समस्या है। उन्होंने लिखा... पिछले 10 सालों से मोदी सरकार मनरेगा को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और अब इसे पूरी तरह खत्म करने का इरादा है। 'विकसित भारत-जी राम जी' बिल गरीब ग्रामीण परिवारों की आजीविका पर हमला है। कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक इस जनविरोधी बिल का विरोध करेगी।

एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

बंगाल में 58.20 लाख,राजस्थान में 41.85 लाख वोटर्स के नाम कटे

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। चुनाव आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी है। राज्य में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं। इसके अलावा 12 लाख 20 हजार 38 वोटर लापता,1 लाख 38 हजार 328 डुप्लिकेट या फर्जी,और 57 हजार 604 नाम अन्य कारणों से हटाने के प्रस्ताव में हैं। जिनका नाम हटाया गया है, वे फॉर्म-6 भरकर दस्तावेजों के साथ दावा कर सकते हैं। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। एसआईआर का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके साथ ही देश के राजस्थान समेत 4 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी आज मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जिन वोटर्स के नाम काटे गए हैं, उनकी लिस्ट जारी कर दी गई है। ड्राफ्ट लिस्ट में 41.85 लाख

वोटर्स के नाम काटे गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के साथ एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और ऑलरेडी एनरोल्ड लिस्ट दी गई है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गई है। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा- जिन वोटर्स के नाम हटाए हैं, उन्हें अब कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। अगर उन्हें आपत्ति है तो वे दस्तावेज देकर दावा पेश कर सकते हैं। इसमें परमानेंट शिफ्ट वोटर्स, डेड वोटर्स, एब्सेंट और डुप्लीकेट वोटर के नाम हटाए गए हैं।

कोलकाता पोर्ट से 74 हजार नाम हटे

चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के 294 असेंबली एरिया में से सबसे ज्यादा नाम कोलकाता के चौरंगी और कोलकाता पोर्ट जैसे क्षेत्रों में कटे हैं। चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में 74,553 नाम हटाए गए। यहां से विधायक तृणमूल कांग्रेस की नयना बंद्योपाध्याय हैं। कोलकाता पोर्ट से कुल 63,730 नाम हटाए गए।

मथुरा में 8 बसें-3 कारें टकराई...भाजपा नेता समेत 13 जिंदा जले,70 घायल,पॉलिथीन में ले गए शरीर के 17 टुकड़े

मथुरा,16 दिसम्बर 2025। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 8 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाड़ियों में आग लग गई। भाजपा नेता समेत 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। 70 लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि बसों में कटे हुए अंग मिले हैं। पुलिस ने इन्हें 17 पॉलिथीन बैग में भरकर ले गई है। अब डीएनए टेस्ट से इनकी पहचान की जाएगी। हादसा थाना बलदेव क्षेत्र में माइलस्टोन 127 पर हुआ। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ के 50 जवानों और 9 थानों की पुलिस ने 6 घंटे में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया। हादसे के चलते एक्सप्रेस-वे पर 3 किमी लंबा जाम लग गया था। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच

के आदेश दे दिए गए हैं। टक्कर के बाद राहगीर ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शी भगवान दास ने बताया कि टक्कर के बाद ऐसा लगा जैसे बम फटा हो। लोग बसों के शीशे तोड़कर बाहर कूद रहे थे। थोड़ी देर में बसें जलकर राख हो गईं। हमने बस से 8-9 लाशें निकालीं। आरोप है कि रेस्क्यू करीब एक घंटे बाद शुरू हुआ। घायलों को 11 एम्बुलेंस से मथुरा जिला अस्पताल और वृंदावन संयुक्त जिला अस्पताल भेजा गया। गंभीर घायलों को आगरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बसों से पुलिस ने खरोच-खरोच कर शवों को उठाया। एक्सप्रेस-वे पर घना कोहरा था। माइलस्टोन 127 पर अचानक स्लीपर बस के सामने धुंध आ गई। इसके चलते ड्राइवर ने ब्रेक मारकर स्पीड धीमी की। इसके बाद पीछे चल रही बसें और कारें आकर भिड़ गईं।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुःख जताया

पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया गया है।

एयर होस्टेस के साथ बदसलूकी, यात्रियों पर कसा कानून का शिकंजा

हैदराबाद,16 दिसम्बर 2025। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग घटनाओं में एयर होस्टेस के साथ बदसलूकी करने के आरोप में दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है. पहले मामले में, रमेश नाम के एक यात्री को शमशाबाद पुलिस ने एयर होस्टेस की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया, जिन्होंने उस पर अश्लील व्यवहार करने का आरोप लगाया था. दूसरी घटना में, नज़र नाम के एक सिनेमा टेक्नीशियन को हिरासत में लिया गया, जब

उसने कथित तौर पर दुबई से आ रही इंडिगो फ्लाइट में एयर होस्टेस के साथ अभद्र व्यवहार किया. प्लेन लैंड होने के तुरंत बाद शमशाबाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. नवंबर की एक और घटना में, केरल के एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी को दुबई से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट में एक एयर होस्टेस के साथ कथित तौर पर बदसलूकी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. केबिन क्रू ने शिकायत दर्ज कराई कि यात्री ने सर्विस देते वक्त एयर होस्टेस को छुआ, और बाद में पता चला कि प्लेन लैंड होने के बाद उसने क्रू को टारगेट करते हुए अश्लील और अपमानजनक बातें भी कही थीं।

मनरेगा बदलने पर बवाल...कांग्रेस ने किया देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। केंद्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह एक नया विधेयक, 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक-2025', लेकर आई है, जिसका कांग्रेस पार्टी कड़ा विरोध कर रही है। कांग्रेस इसे महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान बता रही है और केंद्र पर राष्ट्रपिता के विचारों और गरीबों के अधिकारों से नफरत करने का आरोप लगा रही है। यह राजनीतिक और वैचारिक जंग अब केवल जुबानी नहीं रही, बल्कि सड़क पर उतरने की तैयारी में है। कांग्रेस ने इस विधेयक के विरोध में 17 दिसंबर को देशभर के जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। वेणुगोपाल ने मनरेगा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक कानून है, जिसने देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों को काम का अधिकार दिया, श्रम की गरिमा को बनाए रखा और उनकी आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने इस संघर्ष की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि 'हमारा संघर्ष किसी सामान्य बिल का विरोध करने के बारे में नहीं है, यह एक मुश्किल से मिले अधिकार की रक्षा करने और उन लाखों लोगों के साथ खड़े होने के बारे में है जिनकी जिंदगी, गरिमा और उम्मीद मनरेगा पर निर्भर करती है।'

मनरेगा को खत्म करने की योजना के खिलाफ 17 दिसंबर को विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सरकार की इस योजना का पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनरेगा को खत्म करने की केंद्र सरकार की योजना के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, कांग्रेस पार्टी ने 17 दिसंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, कांग्रेस के स्थापना दिवस (28 दिसंबर) के अवसर पर भी पार्टी के कार्यकर्ता विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे। वेणुगोपाल ने बताया कि इस दिन हर मंडल और गांव में महात्मा गांधी जी की तस्वीरों के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि इस 'जनविरोधी कानून' और 'बापू जी की विरासत पर सीधे हमले' का विरोध किया जा सके।

भारतीय नौसेना को मिली नई ताकत, बेड़े में शामिल हुआ स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट DSC A20

कोच्चि,16 दिसम्बर 2025। भारतीय नौसेना ने 16 दिसंबर 2025 को देश के पहले स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट को औपचारिक रूप से अपने बेड़े में शामिल कर लिया। यह पोत 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत विकसित पांच डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट्स की श्रृंखला का पहला जहाज है। DSC A20 गहरे समुद्र में मरम्मत, बचाव और विशेष अंडरवॉटर मिशनों में नौसेना को सक्षम बनाएगा। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, DSC A20 की कमीशनिंग से भारतीय नौसेना की अंडरवॉटर युद्धक क्षमता और समुद्री सुरक्षा में मजबूती आएगी। यह पोत चीन और अन्य देशों की नौसेनाओं के सामने अपनी तकनीक से मुकाबला करने में भारतीय नौसेना को सक्षम बनाएगा। DSC A20 को विशेष रूप से गहरे समुद्र में सैचुरेशन डाइविंग, हाइपरबेरिक ट्रीटमेंट और मरम्मत एवं बचाव अभियानों के लिए तैयार किया गया है। इसमें एडवांस डाइविंग सिस्टम लगाए गए हैं, जो नौसैनिक गोताखोरों को जटिल ऑपरेशनों में मदद करेंगे।

इसके अलावा यह पोत चुनौतीपूर्ण समुद्री इलाकों में सल्वेज, मरम्मत और विशेष अंडरवॉटर मिशनों को स्वतंत्र रूप से अंजाम देने में सक्षम है। इससे तटीय और समुद्री क्षेत्रों में ऑपरेशनल तैयारियों को भी मजबूती मिलेगी और नौसेना दुश्मन पर अचानक कार्रवाई करने में सक्षम होगी।

जज कैश कांड-सुप्रीम कोर्ट का लोकसभा अध्यक्ष को नोटिस

पूछा...राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव नामंजूर फिर जांच पैनल क्यों बनाया...संसद में यह कैसे हुआ

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को नोटिस जारी किया। याचिका में वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए लोकसभा द्वारा अकेले बनाई गई तीन सदस्यीय जांच समिति की वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। फिर भी लोकसभा ने अकेले जांच समिति बनाई जो कि गलत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और एजे मसीह की बेंच ने लोकसभा स्पीकर कार्यालय और दोनों सदनों के महासचिवों से जवाब मांगा है। जस्टिस दत्ता ने पूछा- राज्यसभा में प्रस्ताव नामंजूर हुआ फिर भी लोकसभा में समिति बनाई गई। संसद में इतने सारे सांसद और कानूनी विशेषज्ञ मौजूद थे, लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, संसद में मौजूद कानूनी विशेषज्ञों ने इसे होने कैसे दिया? 14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे। इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी 2026 को होगी।

याचिका में दावा- जांच पैनल भारतीय संविधान का उल्लंघन : 7 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनल कमेटी की रिपोर्ट और सीजेआई खन्ना की सिफारिश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद जस्टिस वर्मा ने 1968 के जज जांच कानून के तहत शुरू हुई कार्रवाई को चुनौती देते हुए नई याचिका दायर की है। लोकसभा अध्यक्ष ने जज (जांच) कानून 1968 की धारा 3(2) के तहत के जांच पैनल बनाया, जिसे संविधान के खिलाफ बताया गया है। याचिका में 12 अगस्त 2025 की लोकसभा स्पीकर की कार्रवाई को असंवैधानिक घोषित कर रद्द करने की मांग की गई है। जस्टिस वर्मा के वकील ने कहा कि जज को हटाने से जुड़े प्रस्ताव लाने से पहले लोकसभा और राज्यसभा दोनों मिलकर जांच समिति बनाएं सिर्फ लोकसभा स्पीकर अकेले यह कमेटी न बनाए।

संपादकीय

भाजपा में पीढ़ीगत परिवर्तन का संदेश

भाजपा में हुआ विधायक नितिन नवीन का चयन

बिहार से भाजपा विधायक नितिन नवीन को कार्यकारी भाजपा अध्यक्ष बनाया जाना केवल एक संगठनात्मक पदोन्नति नहीं है,बल्कि भाजपा के भीतर चल रही पीढ़ीगत,क्षेत्रीय और रणनीतिक पुनर्संरचना की अभिव्यक्ति है। यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है, जब पार्टी लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता संभालने के बाद अब दीर्घकालिक राजनीतिक स्थिरता,नेतृत्व के उत्तराधिकार और संगठनात्मक विस्तार की नई चुनौतियों से जूझ रही है। नितिन की राजनीति अपेक्षाकृत शांत,संगठन-केंद्रित और कार्यकर्ता-आधारित रही है।

भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में ऐसे नेताओं की भूमिका अक्सर निर्णायक होती है, क्योंकि पार्टी स्वयं को 'कैडर आधारित' संगठन के रूप में प्रस्तुत करती रही है। नितिन का उभार इस दावे को फिर से पुष्ट करता है कि भाजपा में केवल चुनाव जीतने वाले चेहरों को ही नहीं,बल्कि संगठन को चलाने वाले लोगों को भी निर्णायक भूमिकाएं दी जाती हैं। नितिन का चयन यह भी संकेत देता है कि भाजपा अब बिहार को केवल गठबंधन राजनीति के संदर्भ में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व निर्माण के केंद्र के रूप में भी देख रही है। इस निर्णय का एक और महत्वपूर्ण पहलू पीढ़ीगत परिवर्तन से जुड़ा है।

भाजपा की पहली पीढ़ी का नेतृत्व,जो राम जन्मभूमि आंदोलन, मंडल के बाद की राजनीति और पिछली सदी के अंतिम दशक की वैचारिक लड़ाइयों से निकला था,अब धीरे-धीरे हाशिये पर जा रहा है। दूसरी पीढ़ी,जिसने 2014 के बाद सत्ता और संगठन दोनों को संभाला,अब परिपक्वता के चरण में है। ऐसे में तीसरी पीढ़ी के नेताओं को आगे लाने की आवश्यकता स्वाभाविक है। नितिन तीसरी पीढ़ी के प्रतिनिधि के रूप में देखे जा सकते हैं,जो न तो अतीत की वैचारिक लड़ाइयों के बोझ से दबे हैं और न ही केवल सत्ता के सुख से परिभाषित हैं।

भाजपा आज जिस दौर में है,वहां सबसे बड़ी चुनौती विचारधारा को नए संदर्भों में प्रासंगिक बनाए रखने की है। राष्ट्रवाद,सांस्कृतिक अस्मिता और विकास-ये तीनों स्तंभ भाजपा की राजनीति के केंद्र में रहे हैं, लेकिन बदलते सामाजिक और आर्थिक संदर्भों में इनकी व्याख्या भी बदलनी पड़ रही है। किसी भी बड़े दल में नेतृत्व परिवर्तन या नए पदों का सृजन आंतरिक संतुलन को प्रभावित करता है। नितिन का उभार उन नेताओं के लिए भी एक संदेश है, जो लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका की प्रतीक्षा कर रहे थे। यह संदेश स्पष्ट है कि संगठन में निरंतर सक्रियता,अनुशासन और नेतृत्व के प्रति निष्ठा का पुरस्कार मिलता है। विपक्षी दल अक्सर भाजपा पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि पार्टी व्यक्ति-केंद्रित होती जा रही है और संगठनात्मक लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। ऐसे में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे पद का सृजन और उस पर अपेक्षाकृत कम विवादित,संगठनात्मक पृष्ठभूमि वाले नेता की नियुक्ति, इन आरोपों का आंशिक उत्तर भी है। यह भाजपा की उस छवि को मजबूत करता है, जिसमें वह स्वयं को एक 'संस्था' के रूप में प्रस्तुत करती है,न कि केवल व्यक्तियों के समूह के रूप में। इस निर्णय का सामाजिक अर्थ भी है।

नितिन नवीन जिस सामाजिक पृष्ठभूमि से आते हैं,वह भाजपा के उस प्रयास को दर्शाता है,जिसमें वह अपनी सामाजिक आधारभूमि को लगातार विस्तारित करना चाहती है। पिछले एक दशक में पार्टी ने विविध सामाजिक समूहों को नेतृत्व में स्थान देने की कोशिश की है। नितिन का चयन इसी सामाजिक पुनर्संयोजन का हिस्सा माना जा सकता है। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद अक्सर पूर्ण राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका की तैयारी के रूप में भी देखा जाता है। यदि नितिन इस भूमिका में सफल रहते हैं तो वे शीर्ष नेतृत्व में एक स्थायी स्थान बना सकते हैं। यह निर्णय बताता है कि भाजपा केवल वर्तमान चुनावी गणित में नहीं उलझी है,बल्कि आने वाले दशक की राजनीति को ध्यान में रखकर अपने नेतृत्व और संगठन को ढाल रही है। नितिन नवीन का उभार इसी दीर्घकालिक सोच का परिणाम और प्रतीक है।

पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जिन दलों में संगठन कमजोर हुआ, वहां सत्ता टिकाऊ नहीं रह सकी। कांग्रेस इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। भाजपा इस अनुभव से सीखते हुए संगठन को निरंतर सक्रिय,अनुशासित और भविष्य के लिए तैयार रखने की रणनीति पर काम कर रही है। नितिन ऐसे समय राष्ट्रीय भूमिका में आए हैं, जब भाजपा को कई स्तरों पर नए प्रश्नों का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक विकास की गति,रोजगार,सामाजिक असंतोष,संघीय ढांचे पर उठते सवाल और विपक्ष की धीरे-धीरे बनती एकजुटता।

इसके लिए संगठनात्मक स्तर पर निरंतर संवाद,फीडबैक और रणनीतिक लचीलापन आवश्यक है। ऐसे समय जब राजनीति में ध्रुवीकरण एक स्थायी स्थिति बनता जा रहा है, तब भाजपा द्वारा एक संयमित और संगठन-केंद्रित चेहरा सामने लाना पार्टी की छवि-संतुलन की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। यह उन मतदाताओं के लिए भी एक संदेश है, जो तीखे राजनीतिक संघर्ष से ऊब चुके हैं और स्थिरता,प्रबंधन तथा प्रशासनिक दक्षता को महत्व देते हैं। भाजपा की ताकत हमेशा से उसका कैडर रहा है और कैडर को सक्रिय रखने के लिए ऐसे उदाहरण आवश्यक होते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि नितिन नवीन इस भूमिका को किस तरह परिभाषित करते हैं।

कविता

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

यह बिल्कुल सच है...

मतलब निकलने के बाद लोग भूल जाते हैं
यह बिल्कुल सच है!
ताकतवर होने के बाद लोग अहंकारी हो जाते हैं
यह बिल्कुल सच है!
रिश्वत की काली कमाई घर गृहस्थी उजाड़ देती है
यह बिल्कुल सच है।
आदमी जवानी के जोश में बिल्कुल अंधा हो जाता है
यह बिल्कुल सच है।
लालच में आकर कुछ लोग देशद्रोही भी बन जाते हैं
यह बिल्कुल सच है।
धार्मिक उन्माद लोगों में नफरत और जहर फैला देता है
यह बिल्कुल सच है।
बुरे कर्म करके आदमी भवसागर पार नहीं कर सकता
यह बिल्कुल सच है।
मां बाप की अगर बद्दुआ लग जाए भगवान नहीं बचा सकता
यह बिल्कुल सच है।
जिसके साथ ऊपर वाला है नीचे वाले उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं
यह बिल्कुल सच है।
हमारे द्वारा किए गए कर्म ही किस्मत का निर्माण करते हैं
यह बिल्कुल सच है।
कितना भी क्यों ना दबाया जाए जीत आखिर सच की ही होती है
यह बिल्कुल सच है।

जब जांच ही अधिकारों का उल्लंघन बन जाए

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनैच्छिक नार्को विश्लेषण परीक्षणों को पुन: असंवैधानिक करार देना भारतीय लोकतंत्र में संविधान की सर्वोच्चता की एक महत्वपूर्ण पुन: घोषणा है। यह निर्णय केवल आपराधिक जांच की किसी एक तकनीक तक सीमित नहीं है,बल्कि यह राज्य की दंडात्मक शक्ति, व्यक्ति की गरिमा और न्याय व्यवस्था की नैतिक दिशा पर गहरा प्रश्न उठाता है। आधुनिक आपराधिक न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत यह है कि अपराध नियंत्रण के नाम पर भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों से समझौता नहीं किया जा सकता।

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी, हरियाणा

नार्को टेस्ट और संविधान : अधिकार, नैतिकता और न्याय

नार्को टेस्ट मूलतः एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आरोपी या संदिग्ध व्यक्ति को विशेष रासायनिक दवाएँ देकर उसकी चेतन अवस्था को कमजोर किया जाता है, ताकि वह बिना प्रतिरोध के प्रश्नों के उत्तर दे सके। इसे अक्सर 'सत्य निकालने'की तकनीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। किंतु सत्य तक पहुँचने का कोई भी मार्ग यदि असंवैधानिक,अमानवीय और अवैज्ञानिक है, तो वह न्याय का मार्ग नहीं हो सकता। भारतीय संविधान ने राज्य और नागरिक के संबंधों को संतुलित करने के लिए स्पष्ट सीमाएँ तय की हैं, जिनका उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

संविधान का अनुच्छेद 20(3) आत्मे अभिशंसा से संरक्षण का अधिकार प्रदान करता है। इसका आशय यह है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध साक्ष्य देने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। अनैच्छिक नार्को टेस्ट इस अधिकार का सीधा उल्लंघन है,क्योंकि इसमें व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उससे जानकारी उगलवाने का प्रयास किया जाता है। सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) के ऐतिहासिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि नार्को टेस्ट,ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ जैसी तकनीकें यदि बिना सहमति के कराई जाती हैं, तो वे असंवैधानिक हैं। यह निर्णय केवल विधिक व्याख्या नहीं,बल्कि संवैधानिक नैतिकता की रक्षा का घोषणापत्र है।

अनुच्छेद 21,जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है, नार्को टेस्ट के संदर्भ में और भी व्यापक अर्थ ग्रहण करता है। जीवन का अधिकार केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं है,बल्कि इसमें गरिमा, मानसिक स्वायत्तता और निजता भी सम्मिलित हैं। किसी व्यक्ति के शरीर में रासायनिक पदार्थ डालकर उसकी चेतना पर नियंत्रण करना उसकी शारीरिक और मानसिक स्वतंत्रता का गंभीर अतिक्रमण है। सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर अनुच्छेद 21 की व्याख्या करते हुए कहा है कि राज्य की प्रत्येक कार्रवाई 'न्यायसंगत, उचित और तर्कसंगत' होनी चाहिए। नार्को टेस्ट इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता। न्यायिक प्रक्रिया के दृष्टिकोण से भी नार्को टेस्ट अनेक प्रश्न खड़े करता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत वही साक्ष्य स्वीकार्य होते हैं जो स्वेच्छा से और विश्वसनीय तरीके से प्राप्त किए गए हों। नार्को टेस्ट के दौरान दिए गए कथन न तो पूर्णतः स्वैच्छिक होते हैं और न ही वैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय। दवाओं के प्रभाव में व्यक्ति की स्मृति,कल्पना और बाहरी सुझाव आपस में घुलमिल जाते हैं। ऐसी स्थिति में प्राप्त जानकारी को सत्य मान लेना न्यायिक त्रुटि को आमंत्रित करना है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे परीक्षणों के परिणामों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने से इंकार किया है। एक और गंभीर संवैधानिक समस्या 'सहमति' की अवधारणा से जुड़ी है। समर्थक यह तर्क देते हैं कि यदि आरोपी सहमति दे,तो नार्को टेस्ट कराया जा सकता है। किंतु हिरासत की स्थिति में दी गई सहमति कितनी स्वतंत्र और स्वैच्छिक होती है,यह एक जटिल प्रश्न है। पुलिस हिरासत में शक्ति का असंतुलन स्वाभाविक होता है। भय, दबाव और भविष्य की अनिश्चितता के बीच दी गई सहमति को वास्तविक सहमति नहीं कहा जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने भी माना है कि हिरासत में प्राप्त सहमति की विश्वसनीयता संदिग्ध होती है।

संवैधानिक पहलुओं के साथ-साथ नार्को टेस्ट गहरे नैतिक प्रश्न भी उठाता है। मानव गरिमा आधुनिक मानवाधिकार विमर्श का केंद्रीय तत्व है। किसी व्यक्ति को उसकी चेतन अवस्था से वंचित कर,रासायनिक रूप से नियंत्रित कर उससे जानकारी प्राप्त करना उसकी गरिमा को ठेस पहुँचाता है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को एक 'साधन'में बदल देता है,जबकि संविधान व्यक्ति को 'लक्ष्य' मानता है। दार्शनिक दृष्टि से भी यह प्रक्रिया मानव को उसकी इच्छा और विवेक से अलग कर देती है,जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

वैज्ञानिक दृष्टि से नार्को टेस्ट की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न हैं। यह धारणा कि दवाओं के प्रभाव में व्यक्ति केवल सत्य ही बोलेगा, एक मिथक है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार ऐसी दवाएँ व्यक्ति की निर्णय क्षमता को कमजोर कर देती हैं, जिससे वह काल्पनिक घटनाओं को भी वास्तविक समझकर बयान कर सकता है। कई बार पूछताछ करने वाले के प्रश्नों का प्रभाव उत्तरों को दिशा देता है,जिससे'सत्य' नहीं बल्कि जांचकर्ता की अपेक्षा सामने आती है। इस प्रकार नार्को टेस्ट सत्य की खोज के बजाय भ्रम की सृष्टि कर सकता है।

चिकित्सीय नैतिकता के संदर्भ में भी नार्को टेस्ट गंभीर चिंता का विषय है। चिकित्सा पेशा 'हानि न पहुँचाने' के सिद्धांत पर आधारित है। जब कोई चिकित्सक बिना किसी उपचारात्मक उद्देश्य के, केवल जांच के लिए, किसी व्यक्ति को दवाएँ देता है,तो वह इस सिद्धांत का उल्लंघन करता है। इसके अतिरिक्त,नार्को टेस्ट के दौरान स्वास्थ्य जोखिम भी मौजूद रहते हैं, विशेषकर यदि व्यक्ति पहले से किसी शारीरिक या मानसिक रोग से ग्रस्त हो। ऐसे में चिकित्सकों की भूमिका और जिम्मेदारी पर भी प्रश्न उठते हैं। नार्को टेस्ट के समर्थन में यह तर्क दिया जाता है कि गंभीर अपराधों, आतंकवाद या जटिल मामलों में यह जांच को दिशा देने में सहायक हो सकता है। किंतु यह तर्क संवैधानिक मूल्यों के सामने कमजोर पड़ जाता है। संविधान किसी भी परिस्थिति में मूल अधिकारों के निलंबन की अनुमति नहीं देता, सिवाय आपातकाल जैसी असाधारण स्थितियों के,वह भी सीमित दायरे में। अपराध की गंभीरता राज्य को मनमानी करने का अधिकार नहीं देती। यदि आज हम गंभीर अपराधों के नाम पर अधिकारों से समझौता करते हैं, तो कल यह दायरा सामान्य अपराधों तक भी फैल सकता है। वास्तव में,नार्को टेस्ट जांच एजेंसियों की उस मानसिकता को दर्शाता है,जो त्वरित परिणामों की चाह में संवैधानिक रास्तों से भटक जाती है। यह जांच की अक्षमता को ढकने का एक आसान रास्ता बन जाता है। इसके विपरीत,आधुनिक आपराधिक न्याय व्यवस्था साक्ष्ये आधारित, वैज्ञानिक और पेशेवर जांच पर बल देती है। डीएनए विश्लेषण,डिजिटल फॉरेंसिक,वित्तीय जांच और गवाह संरक्षण जैसी तकनीकें न केवल अधिक विश्वसनीय हैं, बल्कि अधिकारों के अनुरूप भी हैं।

पुलिस सुधार और प्रशिक्षण इस संदर्भ में अत्यंत आवश्यक हैं। जब तक जांच एजेंसियों को आधुनिक तकनीक,पर्याप्त संसाधन और संवैधानिक मूल्यों का प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा,तब तक वे ऐसे शॉर्टकट अपनाने के लिए प्रेरित होती रहेंगी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी हिरासत संबंधी दिशा-निर्देश और पुलिस आधुनिकी करण योजनाएँ इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं,किंतु इनके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकत है। न्यायपालिका की भूमिका भी केवल प्रतिबंध लगाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। अदालतों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी जांच प्रक्रिया में अधिकारों का उल्लंघन न हो। साथ ही,न्यायिक प्रशिक्षण में भी संवैधानिक नैतिकता और मानवाधिकारों पर विशेष बल दिया जाना चाहिए,ताकि निचली अदालतों में भी इन मूल्यों की रक्षा हो सके।

अंततः,नार्को टेस्ट का प्रश्न केवल एक तकनीक का नहीं,बल्कि उस दृष्टिकोण का है जिससे राज्य अपने नागरिकों को देखता है। क्या नागरिक केवल जांच के साधन हैं,या वे अधिकारों से युक्त गरिमामय व्यक्ति हैं? भारतीय संविधान ने स्पष्ट रूप से दूसरे विकल्प को चुना है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह अपराध से निपटते समय भी अपने मूल्यों से विचलित न हो। निष्कर्षतः सर्वोच्च न्यायालय का रुख यह स्मरण कराता है कि न्याय का उद्देश्य केवल दोषसिद्धि नहीं,बल्कि निष्पक्ष, मानवीय और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्य तक पहुँचना है। नार्को टेस्ट जैसी विधियाँ इस उद्देश्य के विपरीत हैं। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी मानव गरिमा और मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। यही संवैधानिक चेतना भारत की न्याय व्यवस्था की आत्मा है।

आकाश को जीतने वाले दो भाई,राइट ब्रदर्स की अमर उड़ान

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
मध्यप्रदेश

यह दृढ़ निश्चय,धैर्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कहानी है...

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं, जो हमेशा के लिए दर्ज हो जाती हैं। 17 दिसंबर, 1903 ऐसा ही एक दिन था, जब दो साधारण से दिखने वाले लेकिन असाधारण सपने रखने वाले अमेरिकी भाइयों ऑरविल राइट और विल्बर राइट ने वह कर दिखाया,जिसे उस समय असंभव माना जाता था। उन्होंने दुनिया की पहली नियंत्रित, इंजन से चलने वाली,लगातार और सफल उड़ान भरी। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में हर वर्ष 17 दिसंबर को राइट ब्रदर्स दिवस मनाया जाता है। ऑरविल और विल्बर राइट अमेरिका के ओहायो राज्य के रहने वाले साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से थे। वे पेशे से साइकिल की दुकान चलाते थे, लेकिन दिल में एक बड़ा सपना था ,इंसान को आकाश में उड़ते देखना। बचपन में मिले एक खिलौना हेलीकॉप्टर से प्रेरित होकर उन्होंने यह कल्पना की कि यदि छोटा मॉडल उड़ सकता है, तो एक दिन इंसान भी उड़ सकता है। उन्होंने न तो किसी बड़ी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की थी,न ही उनके पास बहुत अधिक पैसा था,लेकिन उनके पास तीन चीजें थीं जिज्ञासा,साहस और लगातार प्रयास करने की इच्छा। यही गुण उन्हें दुनिया का पहला हवाई जहाज बनाने तक ले गए। राइट ब्रदर्स ने उत्तर कैरोलाइना के किटी हॉक नामक स्थान पर अनेक प्रयोग किए। कई बार असफल रहे,पंख टूटे,मॉडल गिरे,गणनाएँ गलत साबित हुई,लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आख़िरकार 17 दिसंबर, 1903 को उनका बनाया हुआ विमान फ्लायर उड़ने के लिए तैयार था। पहली उड़ान ऑरविल राइट ने भरी। यह लगभग 12 सेकंड तक हवा में रही। इस दौरान विमान ने लगभग 120 फीट (करीब 36 मीटर) की दूरी तय की। आज के समय में यह दूरी भले ही बहुत कम लगे, लेकिन मानव इतिहास के लिए यह एक क्रांतिकारी शुरुआत थी। उसी दिन उन्होंने कुल चार उड़ानें भरीं,जिनमें आख़िरी उड़ान लगभग 59 सेकंड तक और क़रीब 260 मीटर दूर तक गई। यहीं से आधुनिक विमानन युग की नींव पड़ी। राइट ब्रदर्स दिवस मनाने के कई महत्वपूर्ण कारण हैं, मानव की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का सम्मान करना। यह याद दिलाना कि सीमित संसाधन होने के बावजूद,बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। विज्ञान, तकनीक और नवाचार के प्रति नई पीढ़ी में रुचि जगाना। उन सभी वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और खोजकर्ताओं को सम्मान देना,जो जोखिम उठाकर मानव जीवन को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। यह दिवस सिर्फ विमानन के इतिहास का उत्सव नहीं है, बल्कि यह असंभव को संभव बनाने की प्रतीक तिथि भी है। राइट ब्रदर्स की पहली उड़ान ने दुनिया की दिशा ही बदल दी। पहले जो यात्राएँ हफ्तों और महीनों में होती थीं,आज कुछ घंटों में पूरी हो जाती हैं। व्यापार,पर्यटन,आपातकालीन सेवा, रक्षा, आपदा-प्रबंधन हर क्षेत्र में हवाई जहाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व आज ग्लोबल विलेज इसलिए बन सका,क्योंकि आकाश की दूरियाँ कम हो गईं। आज के आधुनिक जेट विमान,अंतरमहाद्वीपीय उड़ानें,कार्गो विमान,यहां तक कि अंतरिक्ष यात्रा की अवधारणा भी कहीं न कहीं राइट ब्रदर्स की उस पहली उड़ान की देन है। राइट ब्रदर्स की कहानी सिर्फ हवाई जहाज की कहानी नहीं है,यह दृढ़ निश्चय,धैर्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कहानी है। उनसे हम यह सीख सकते हैं,असफलता किसी अंत का नाम नहीं,बल्कि अगले प्रयास की तैयारी है । किसी भी बड़े काम के लिए जिज्ञासा और प्रयोग करने की आदत जरूरी है। सीमित साधनों के बावजूद,सही सोच और सतत प्रयास से इतिहास रचा जा सकता है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि सपने देखने वाले अक्सर साधारण होते हैं,पर उनके सपने ही उन्हें असाधारण बना देते हैं। राइट ब्रदर्स दिवस हमें याद दिलाता है कि 17 दिसंबर,1903 को मानव जाति ने पहली बार सच में आकाश को छुआ था। यह दिन केवल दो भाइयों की उपलब्धि नहीं,बल्कि समूचे मानव समाज की प्रगति का प्रतीक है। जब भी हम किसी विमान को आकाश में उड़ते देखते हैं, हमें उन दो साहसी भाइयों को याद करना चाहिए,जिन्होंने यह साबित किया कि अगर हिम्मत,मेहनत और विश्वास हो, तो पंख लोहे के भी उड़ान भर सकते हैं।

फिर वही बेतुकी मांग,चुनाव सुधार पर चर्चा

-नरेंद्र सांवरिया-

राज्यसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा करते हुए कांग्रेस ने जिस तरह फिर से बैलेट पेपर से चुनाव कराने की अपनी मांग पर बल दिया, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि वह एक ऐसा माहौल बनाने पर काम कर रही है,जिससे देश की चुनाव प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए। ऐसा माहौल बनाने का उसका मकसद यह प्रचारित करना है कि भारत में लोकतंत्र खतरे में पड़ चुका है।

ध्यान रहे कि राहुल गांधी देश ही नहीं,विदेश में भी भारतीय लोकतंत्र को खतरे में बता चुके हैं। यह भी छिपा नहीं कि वे लंबे समय से वोट चोरी के मुद्दे को तूल दे रहे हैं। पहले उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों के हवाले से वोट चोरी के मसले को उछाला, फिर चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बहाने ऐसा करना शुरू कर दिया। कांग्रेस नेता केवल चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल नहीं उठा रहे हैं,वे यह भी प्रचारित कर रहे हैं कि वह भाजपा से मिला हुआ है और मोदी सरकार के इशारे पर एसआइआर करा रहा है। यह प्रचारित करने के लिए ही पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली में चुनाव आयोग और मोदी सरकार,दोनों पर निशाना साधा गया। इस रैली में प्रधानमंत्री के खिलाफ कांग्रेस नेताओं ने आपत्तिजनक नारे लगाकर अपनी खीझ ही उतारी। चुनाव सुधार के नाम पर ईवीएम पर सवाल उठाना और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करना एक तरह से देश को बैलगाड़ी युग में ले जाना है। क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि जिस कांग्रेस ने ईवीएम के उपयोग की अनुमति दी, वही आज उसके खिलाफ खड़ी है? ईवीएम को संदिग्ध बताने के लिए न जाने कितने लोग हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जा चुके हैं, लेकिन उन्हें मुंह की ही खानी पड़ी है।

इसके बाद भी बैलेट पेपर वाली चुनाव प्रक्रिया को भरोसेमंद बताने की बेतुकी मांग होती रहती है। इस मांग का समर्थन करने वाले अधिक दल नहीं हैं,लेकिन कांग्रेस अपना रवैया बदलने को तैयार नहीं। वह यह समझने को तैयार नहीं कि उसकी ओर से ईवीएम को लेकर जो नैरेटिव बनाया जा रहा है, उसमें कोई दम नहीं। यह एक ऐसा घिसा हुआ बेकार का नैरेटिव है, जिसका कहीं कोई असर नहीं।

यदि कांग्रेस अपनी कमजोरियों पर ध्यान देने के बजाय फालतू के मुद्दों को तूल देगी तो उसे कुछ हासिल होने वाला नहीं है, क्योंकि देश के लोग यह भूले नहीं हैं कि जब बैलेट पेपर से चुनाव होते थे, तब किस तरह मतपत्र लूटे जाते थे। राज्यसभा में कांग्रेस की ओर से यहां तक कहा गया कि चुनावी पारदर्शिता के लिए अलग आयोग बने। इसका सीधा मतलब है कि वह संवैधानिक संस्था के रूप में चुनाव आयोग को खारिज कर रही है। आखिर यह संविधान के प्रति कैसी प्रतिबद्धता है?

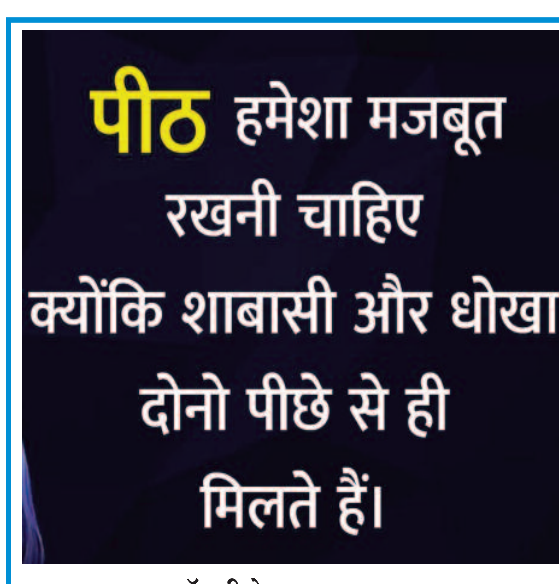

-डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम-

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पार्षद पुत्र समेत 1 दर्जन युवकों ने की 2 युवकों की बेदम पिटाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के दर्रीपारा में सोमवार की रात भाजपा पार्षद के पुत्र सहित 1 दर्जन युवकों ने 2 युवकों की बेदम पिटाई कर। आरोपी उन्हें घसीटते हुए झाड़ियों के पास ले गए और हाथ-मुक्के, डंडे, ईंट-पत्थर व चाकू से मारा। फिर पार्षद के घर के पास ले गए, यहां पार्षद पुत्र ने भी दोनों को पीटा। मामले में मणिपुर पुलिस ने पार्षद पुत्र समेत 1 दर्जन युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार राहुल सोनवानी पिता पन्नेलाल 22 वर्ष वर्तमान में दर्रीपारा के आंबेडकर वार्ड निवासी विकास साहू के किराए के मकान में अपने दोस्त शुभम रवि के साथ रह रहा था। दोनों वहां रहकर पढ़ाई करते हैं। राहुल सोनवानी ने मणिपुर पुलिस को बताया कि सोमवार की रात करीब 9.30 बजे दर्रीपारा निवासी उदय साहू, उत्तम साहू, आकाश यादव,

अखिल सोनी, समीर मुंडा, रौनक मुखर्जी के साथ 2-3 युवक रूम में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए दोनों को खींचकर डॉ. अनुपम मिंज के घर के पास झाड़ियों में ले गए। यहां सभी ने मिलकर दोनों की हाथ-मुक्के, डंडे, ईंट-पत्थर व चाकू से हमला कर दिया। यहीं नहीं उन्होंने दोस्त शुभम रवि के गाल को आग से जलाया। राहुल सोनवानी ने बताया कि यहां मारपीट करने के बाद सभी ने कहा कि प्रकाश साहू के घर के पास ले चलते हैं, वहीं इसका फैसला होगा। इसके बाद वे दोनों को पार्षद के घर के पास ले गए। यहां महिला पार्षद के पुत्र विशाल साहू व राजा साहू मौजूद थे। इसके बाद सभी ने मिलकर फिर दोनों को पीटा। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि अमन मिश्रा के साथ मिलते-जुलते या बात करते दिखे तो मारकर फेंकवा देंगे। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मारपीट में राहुल सोनवानी व शुभम रवि के सिर, चेहरे, हाथ-पैर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित राहुल सोनवानी की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस ने आरोपियों दर्रीपारा निवासी उदय साहू, उत्तम साहू, आकाश यादव, अखिल सोनी, समीर मुंडा, रौनक मुखर्जी, विशाल साहू, राजा साहू सहित 3-4 अन्य के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 296, 351(3), 191(2), 191(3), 190, 115(2), 118(1), 331(8), 127(2) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

आरोपियों ने दो घटनाओं को दिया था वारदात

इन्हीं आरोपियों ने दर्रीपारा निवासी कमलेश मिश्रा के घर में घुसकर उत्पात मचाया है। कमलेश मिश्रा सोमवार की रात करीब 9.45 बजे बेटे अमन मिश्रा व परिवार के अन्य लोगों के साथ घर में था। उसी समय उदय साहू, उत्तम साहू, आकाश यादव, समीर मुण्डा, रौनक मुखर्जी, अखील सोनी व अन्य 3-4 व्यक्ति अकारण घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देते हुए गाली गलौज करने लगे। इस दौरान बदमाशों ने ईंट पत्थर भी लाया। घर वालों द्वारा शोर मचाने व पुलिस कंट्रोल को फोन से जानकारी देने पर सभी आरोपी वहां से भाग निकले। कमलेश मिश्रा ने पुलिस को बताया है कि इस घटना से पूर्व राजा साहू मोबाइल से फोन कर मेरे बेटे अमन मिश्रा को जान से मरने की धमकी दी थी। कमलेश मिश्रा की रिपोर्ट पर पुलिस ने उदय साहू, उत्तम साहू, आकाश यादव, समीर मुण्डा, रौनक मुखर्जी, अखील सोनी, राजा साहू व अन्य के खिलाफ धारा 291(2), 296, 351 (3), 352 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार दोनों मामले के विवाद का मुख्य कारण पुराना जमीन विवाद बताया जा रहा है। पुलिस अब तक समीर मुंडा को गिरफ्तार कर चुकी है। शेष आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे हैं। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

दो अलग-अलग सडक़ हादसे में युवती व युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में दो अलग-अलग सडक़ हादसों में युवती व युवक की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। पहला हादसा दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नवापारा में 15 दिसंबर को हुआ। 18 वर्षीय युवती अपनी मंगेतर अर्जुन सिंह के साथ बाइक से अंबिकापुर के मीना बाजार घूमने आई थी। वापस लौटते वक्त घुनघुट्टा खर्रा नदी के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं, जिनके बाद उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया, जबकि युवक का इलाज जारी है। दूसरा हादसा लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम सहनपुर में हुआ। 47 वर्षीय लिनुस एक्का अपनी बीमार सास को देखने के बाद 10 दिसंबर को बाइक से पत्नी मानमती एक्का के साथ घर लौट रहा था। जब वे डडगांव कोसा फार्म के पास सडक़ के किनारे खड़ी गाड़ी को पार कर रहे थे, तब तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। हादसे में लिनुस को सिर और छाती में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह बेहोश हो गए। घायल अवस्था में उन्हें स्थानीय अस्पताल भेजा गया, लेकिन इलाज के दौरान 15 दिसंबर को उनकी मौत हो गई।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कार पलटने से घायल सवार की मौत हो गई। घटना सूरजपुर जिले की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिला के ग्राम पहिया चंदौरा का धनेश्वर रजवार पिता खरीदन रजवार 34 वर्ष, 15 दिसम्बर की दोपहर घर से रुपये निकालने के लिए भैयाथान बैंक जाने की बात कहकर निकला था। वापस आते समय सोनगरा पेट्रोल पम्प के पास कार अनियंत्रित हो गई और पलट गई। इसकी सूचना मिलने पर परिजन घायल कार सवार को एक निजी अस्पताल से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां रात 8.30 बजे चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत एक वर्ष का निरोध आदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम,1980 के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक के विरुद्ध एक वर्ष का निरोध आदेश पारित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक, सरगुजा द्वारा अनावेदक जय आदित्य तिवारी उर्फ अंश पण्डित, पिता अशोक तिवारी उर्फ बाबा पंडित, उम्र 21 वर्ष, निवासी जरहागढ़, थाना अम्बिकापुर के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के अंतर्गत कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी। अनुशंसा के आधार पर प्रकरण की जांचोपरांत जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनावेदक के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के तहत 12 दिसंबर 2025 को निरोध आदेश पारित किया गया। आदेशानुसार अनावेदक को एक वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में निरुद्ध रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं।

बुजुर्ग को घर के सामने मार डाला,बलरामपुर में जघन्य हत्या

-संवाददाता-
बलरामपुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

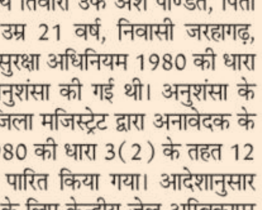

जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम त्रिशूली में मंगलवार सुबह 52 वर्षीय बैगा लल्लू पंडो की घर के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला सनावाल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मृतक लल्लू पंडो सुबह घर के बाहर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों और ग्रामीणों ने जब पास जाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। शव पर सिर, कमर और पीठ में चोट के निशान पाए गए हैं, वहीं नाक से खून बहता मिला।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने आईजी ने अधिकारियों को दिया निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आईजी दीपक झा ने बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने और उनकी प्रभावी रोकथाम के लिए सभी इकाइयों के नोडल अधिकारियों एवं आईआरएडी/ईडीएआर के डीआरएम के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सडक़ दुर्घटनाओं (ब्लैक स्पॉट) के प्रमुख कारणों पर विस्तृत चर्चा की गई,जिसमें प्रमुख रूप से चौक-चौराहों और दुर्घटनाजन्य स्थानों का चिन्हांकन करने और वहां विशेष ध्यान देने की बात कही गई। आईजी ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना सीटबेल्ट,बिना हेलमेट, नशे में वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। समीक्षा के दौरान, आईआरएटी/ईडीएआर एप्लिकेशन में विवेचकों द्वारा की जा रही गलत एंट्रीज़ पर भी चर्चा हुई। आईजी ने कहा कि विवेचकों को समय-समय पर उचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे सही जानकारी अपलोड कर सकें और दुर्घटनाओं के अपराधों का पंजीकरण समय पर हो सके। इसके अलावा, उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों से जिलों में यातायात जागरूकता अभियान चलाने की अपील की, खासकर स्कूलों, कॉलेजों, हॉट बाजारों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान के जरिए आम नागरिकों को यातायात नियमों और संकेतों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जाए। आईजी ने यह भी निर्देश दिए कि यदि कोई नागरिक सडक़ दुर्घटना में घायल होता है, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजने वाले व्यक्ति की पहचान की जाए और उन्हें 'राहवीर योजना' के तहत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाए। अंत में, उन्होंने नोडल अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर पुलिस, परिवहन विभाग, एनएच, पीडब्ल्यूडी और पीएमजेएसवॉय के साथ संयुक्त निरीक्षण करें और वहां आवश्यक सुधार कार्यों जैसे रम्बल स्ट्रिप्स, संकेत बोर्ड, गति सीमा बोर्ड और गति अवरोधक ब्रेकर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

धान खरीदी में टोकन संकट से किसान बेहाल,कलेक्टर कार्यालय पहुंचे,19 को धरना की चेतावनी

-संवाददाता-
सूरजपुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

धान खरीदी व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर गुरुवार को बड़ी संख्या में परेशान किसान पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी के निवास पर पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं। इसके पश्चात पंकज तिवारी के नेतृत्व में किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जिला प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें प्रस्तुत कीं। किसानों का कहना है कि टोकन प्रणाली के कारण उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धान खरीदी केंद्रों में प्रतिदिन तय की गई खरीदी मात्रा बेहद कम है। यदि इस मात्रा में तत्काल वृद्धि नहीं की गई तो कुल उत्पादन का 70 प्रतिशत से अधिक धान खरीदा जाना संभव नहीं हो पाएगा,जिससे 30 प्रतिशत से अधिक किसान धान बेचने से वंचित रह जाएंगे। किसानों ने बताया कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था ग्रामीण अंचलों में रहने वाले किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। कई गांवों में सर्वर की समस्या बनी रहती है, वहीं अनेक किसानों के पास एंड्रॉयड मोबाइल भी नहीं है। ऐसे में टोकन प्राप्त करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया है।

महिला का अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल,अपराध दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र की एक महिला का आपत्तिजनक कमेंट के साथ अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया है कि गांव के ही एक व्यक्ति व घरघोड़ा की महिला द्वारा उसका अश्लील विडियो बनाया गया है और फोटो पर अश्लील कमेंट लिखकर वाट्सअप नंबर व इंस्ट्राग्राम में वायरल किया गया है। मानसिक तौर से परेशान महिला ने सीतापुर थाना पुलिस को बताया है कि आरोपियों के द्वारा बार-बार रुपये की मांग की जा रही थी। रुपये नहीं देने पर वीडियो को वायरल कर दिया गया, जिससे उसे सामाजिक व अन्य तरीके से बदनामी का सामना करना पड़ रहा है। आरोपियों के द्वारा पुलिस के पास जाने पर पूरे परिवार को मारकर खत्म कर देने की धमकी दी गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 351(2), 79 का अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

तेज रफ्तार का कहर...एक ही रात 2 महिलाओं की मौत,मंगेतर गंभीर,दिल दहला देने वाला हादसा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन हो रहे हादसों में लोग अपनी जान गवा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र में 15 दिसंबर की रात दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, युवती की मौत : पहला हादसा अंबिकापुर-दरिमा मार्ग पर हुआ, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार सानिया कंवर (18 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका मंगेतर अर्जुन सिंह (21 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर ले जाया गया। परिजनों ने बताया कि सानिया और अर्जुन की शादी तय हो चुकी थी। दोनों दरिमा के नावापारा इलाके के निवासी थे और 15 दिसंबर को मीना बाजार देखने अंबिकापुर आए थे। लौटते समय यह हादसा हो गया। अर्जुन सिंह को गंभीर चोटें आई हैं और उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था। दरिमा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सड़क पार कर रही महिला को इनोवा ने कुचला

दूसरा हादसा नेशनल हाईवे-130 पर अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग स्थित केवरा गांधी चौक के पास हुआ। यहां सड़क पार कर रही महिला को तेज रफ्तार इनोवा कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला उछलकर सड़क पर गिर पड़ी और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

प्रगतिशील पेंशन वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक उत्सव

-संवाददाता-
लखनपुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रगिशील पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक उत्सव अचीवर पब्लिक स्कूल लखनपुर के प्रांगण में समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। इसके मुख्य अतिथि दिनेश साहू जिला भाजपा के उपाध्यक्ष थे। वही अति विशिष्ट अतिथि राहुल अग्रवाल मंत्री प्रतिनिधि एवं मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के पुत्र थे। विशिष्ट अतिथि लखनपुर के मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्ति पुलिस महानिरीक्षक एवं प्रगतिशील पेंशन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांतीय संरक्षक सीआर पी सिंह ने की प्रथम सत्र का संचालन प्रगतिशील पेंशन वेलफेयर एसोसिएशन के उपरांत अध्यक्ष एवं निश्चल सरगुजिया साहित्य समिति के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद जायसवाल ने की सर्वप्रथम दिनेश बारी मंडल अध्यक्ष ने अपनी ओजस्वी वाणी से पेंशनर्स को को के रगों में जोश भरने का काम किया तदुपरांत दिनेश साहू ने अपनी चिर परिचित लहजे में कार्यक्रम को संबोधित कर वह वाही लूटी। अंत में पूर्व आईजी में अपना अनुभव साझा किया और कहा कि हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अगर चाहे तो मुझे बुलाकर छात्रों को मेरे अनुभव का लाभ दिला सकते हैं। साइन सरगम फाउंडेशन लखनपुर के शिवराज सिंह एवं रामनगरिया बहुत ही सुंदर गीत प्रस्तुत कर महफिल लूट लिए। अंत में निश्चल सरगुजिया साहित्य समिति के द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गयाद्व इस सत्र का काव्य में संचालन श्रीमती आशा पांडे ने किया सरस्वती वंदना श्रीमती पूनम दुबे के द्वारा किया गया।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर कलेक्टर एवं एसपी सख्त, ट्रांसपोर्टरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

-संवाददाता-
सूरजपुर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर की संयुक्त अध्यक्षता में ट्रांसपोर्टरों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम), आर टी ओ अधिकारी, खनन अधिकारी, सर्व तहसीलदार, जिले के यातायात प्रभारी सहित संबंधित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जशपुर में अयोजित 24 वीं स्टेट सीनियर बैडमिंटन चौम्पियनशिप का हुआ समापन विमेंस सिंगल में आरुषि कश्यप और मेंस सिंगल में हर्षित रहे विजेता

-संवाददाता-
जशपुरनगर, 16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में आयोजित 5 दिवसीय 24वीं स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रतियोगिता के दौरान खेले गए रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबलों ने दर्शकों को पूरे समय उत्साह से बांधे रखा, जिसका सभी खेलप्रेमियों ने भरपूर आनंद लिया। आज खेले गए फाइनल मुकाबलों में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 58वां स्थान प्राप्त खिलाड़ी आरुषि कश्यप ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने कड़े मुकाबले में तनु चंद्रा को 22-20 एवं 21-16 से पराजित किया। वहीं मेन्स सिंगल फाइनल में हर्षित ठाकुर ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मानस भट्टाचार्य को 21-18 एवं 21-10 से हराकर विजेता बने। मेन्स डबल में आयुष मखीजा एवं सौरभ साहू की जोड़ी ने धीरज खत्री और जयेश होशंगाबादी को पराजित कर खिताब जीता। विमेंस डबल में हीरल चौहान एवं करिश्मा कार्डिकर की जोड़ी ने दीक्षा चौधरी और इशिका पोद्दार को हराकर जीत दर्ज की। मिक्स्ड डबल के रोमांचक मुकाबले में वेंकट गौरव प्रसाद एवं जूही देवांगन की जोड़ी ने दीक्षा चौधरी और सुजय तंबोली को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सतत् अभ्यास से मिलती है सफलता: आरुषि कश्यप : विमेंस सिंगल की विजेता आरुषि कश्यप बेहतर आयोजन के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया और कहा कि यहां पर अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी। उन्होंने कहा कि वे लगभग 10 साल बाद जशपुर आ रही है, तब से अभी तक यह जिला में काफी विकसित हो चुका है, वे 2009 से वह लगातार खेलते आ रही है। उन्होंने सभी उभरते खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खूब मेहनत करें, अपनी कमियों को दूर कर आगे बढ़े। उन्होंने अपनी मेहनत और सतत् अभ्यास से अपने खेल को निखारा है, तभी उसे सफलता मिली है, पहले छत्तीसगढ़ से ज्यादा खिलाड़ी सामने नहीं आते थे अन्य राज्यों के खिलाड़ियों का दबदबा था, आज परिस्थिति काफी हद तक बदल चुकी है।

सेरंगदाग बॉक्साइट माइंस में श्रमिकों के शोषण का आरोप,कलेक्टर से की गई शिकायत

-संवाददाता-
बलरामपुर-रामानुजगंज 16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के सेरंगदाग स्थित बॉक्साइट माइंस में कार्यरत श्रमिकों के साथ गंभीर अनियमितता और श्रम कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी गई है। यह शिकायत बालाजी मार्बल एंड टाइल्स कंपनी द्वारा संचालित माइंस को लेकर की गई है, जिसमें श्रमिकों के शोषण, सुरक्षा की अनदेखी और सामाजिक सुरक्षा लाभों से वंचित रखने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, सेरंगदागा बॉक्साइट माइंस में 22 अक्टूबर 2024 से लगभग 150 से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं, लेकिन 15 दिसंबर 2025 तक किसी भी श्रमिक का A-Form में पंजीयन नहीं किया गया, जो श्रम कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है,शिकायत पत्र में श्रमिकों के साथ हो रहे अत्याचार और अनियमितताओं को बिंदुवार उजागर किया गया है, आरोप है कि श्रमिकों को अस्थायी रूप से नियुक्त कर स्थायी अधिकार नहीं दिए जा रहे, न्यूनतम वेतन अधिनियम का पालन नहीं हो रहा, तथा PF, ESI और मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। इसके साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी, अमानवीय परिस्थितियों में काम और स्थानीय श्रमिकों को हटाकर बाहरी लोगों की नियुक्ति किए जाने की बात भी सामने आई है, शिकायत में यह भी कहा गया है कि यह स्थिति न केवल श्रम कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि मानवाधिकारों का भी हनन है।

कलेक्टर से मांग की गई है कि

- पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।
- सभी श्रमिकों का विधिवत A-Form में पंजीयन कराया जाए।
- न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कंपनी के जिम्मेदार व्यक्तियों और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।
- भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए नियमित निरीक्षण और निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।

शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से शीघ्र और कठोर कार्रवाई की अपेक्षा जताई है, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है, क्योंकि मामला सीधे तौर पर श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकार और सम्मान से जुड़ा हुआ है।

तक्षशिला सूरजपुर पुस्तकालय से जुड़े विद्यार्थियों ने बढ़ाया जिले का मान

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग द्वारा आयोजित आरक्षक भर्ती परीक्षा में कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन एवं जिला शिक्षा विभाग के निर्देशन में संचालित तक्षशिला जिला लाइब्रेरी सूरजपुर से जुड़े एवं नियमित रूप से अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित कर जिले को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है,बल्कि यह दर्शाती है कि सही वातावरण, नियमित अध्ययन और सकारात्मक मार्गदर्शन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उल्लेखनीय है कि ग्रन्थालय के 5 विद्यार्थियों का चयन इस परीक्षा में हुआ है। भुवनकांत रायल - आईडी नं. - 457, विनिता मिंज - आईडी नं. - 418,सत्यम सिंह - आईडी नं.- 261,रामेश्वर सिंह - आईडी नं. - 449 और प्रीति सिंह - आईडी नं. - 56 (पूर्व पाठक)। यह सफलता तक्षशिला सूरजपुर पुस्तकालय के उस उद्देश्य को सशक्त करती है, जहाँ विद्यार्थियों को शांत, अनुशासित और लक्ष्य-केन्द्रित अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जाता है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। लाइब्रेरी निरंतर युवाओं को सरकारी सेवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं करियर निर्माण के लिए प्रेरित करती रही है। चयनित सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर, जिला शिक्षा विभाग एवं तक्षशिला सूरजपुर पुस्तकालय की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दी बड़ी सौगात

जिले में 4 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की होगी स्थापना,ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती.....

जशपुरनगर 16 दिसंबर 2025(घटती-घटना)।

जिले के ग्रामीण अंचलों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सौगात मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिले में 4 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं और अधिक सुलभ, सुदृढ़ और प्रभावी होंगी। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन हेतु प्रति संस्था 12 पदों के मान से पद सृजन की सहमति की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है, जिससे इन केंद्रों में शीघ्र ही नियमित स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ की जा सकेंगी।

जिले के इन ग्रामों में स्थापित होंगे नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

जिले के दुलदुला तहसील क्षेत्र के ग्राम करडेगा, फरसाबहार तहसील क्षेत्र के ग्राम पेटामारा (अंकिरा) एवं ग्राम गंझियाडीह तथा कुनकुरी तहसील क्षेत्र के ग्राम केराडीह में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की मंजूरी मिली है।प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी,ग्रामीण चिकित्सा अधिकारी,फार्मेसिस्ट ग्रेड दू 02,स्टाफ नर्स,महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता,लैब टेक्नीशियन, सहायक ग्रेड दू 03,वार्ड बॉय,आया पद की नवीन पदस्थापना की जाएगी। इन केंद्रों की स्थापना से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्राथमिक उपचार, जांच सुविधाएं और आपातकालीन सेवाएं ग्रामीणों को उनके ही क्षेत्र में उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को जिला मुख्यालय या दूरस्थ अस्पतालों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

स्वास्थय के क्षेत्र में जिले को मिल रही नई ऊंचाई

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में जिले को स्वास्थ्य अधोसंरचना के क्षेत्र में लगातार बे ी सौगातें मिल रही हैं।बीते दो वर्षों में जिले को स्वास्थय के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के लिए वित्त विभाग से 359 करोड़ रुपए की सहमति, 220 बिस्तर वाले अस्पताल भवन के निर्माण हेतु 32 करो रुपए की मंजूरी,कुनकुरी में नेचुरोपैथी भवन निर्माण के लिए 2 करो 62 लाख रुपए की मंजूरी, जिला मुख्यालय में कल्याण आश्रम चिकित्सालय के अत्याधुनिक भवन 35 करोड़ रुपए की लागत से तेजी से किया जा रहा है निर्माण,जिले को फिजियोथेरेपी महाविद्यालय 14 करोड़ रुपये की मंजूरी,नर्सिंग महाविद्यालय की स्थापना के लिए 8 करोड़ 78 लाख की मंजूरी,कुनकुरी के गिनाबहार मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय भवन का निर्माण 8 करो 77 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है।

अजीत वसंत होंगे सरगुजा के नए कलेक्टर,विलास भोस्कर का स्थानांतरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में अंबिकापुर के कलेक्टर विलास भोसकर संदीपन का स्थानांतरण कर दिया गया है। अब उन्हें छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, उनके स्थान पर कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को सरगुजा का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। अजीत वसंत 2013 बैच के आईएस हैं। अब उन्हें कोरबा के बाद सरगुजा जिले की जिम्मेदारी दी गई है।

कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी धरना आज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

केन्द्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना में अमूल-चमूल परिवर्तन कर उसे कमजोर करने एवं अव्यवहारिक बनाने के साथ ही उसके नाम बदलने के लिये संसद में एक बिल प्रस्तुत किया है। इसके विरोध में आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 17 दिसंबर को राष्ट्रव्यापी धरना प्रदर्शन का निर्णय लिया है।

कांग्रेस का कहना है कि केन्द्र सरकार के द्वारा इससे संबंधित बिल के संसद में पास हो जाने पर मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने की यह योजना पूरी तरह प्रभावित होगी। इस बिल के माध्यम से केन्द्र सरकार इस योजना पर व्यय होने वाली राशी में अपने अंशदान से भी पल्ला झाडना चाहती है। वो इसका पूरा भार राज्य सरकारों पर डालना चाहती है। सभी राज्य सरकारें पहले से ही भारी कर्जे में फंसी हुई हैं।

ऐसे में उनपर मनरेगा का पूर्ण आर्थिक भार डालने का तात्पर्य इस बहुमुखी योजना को एक तरह से समाप्त करने जैसा होगा। देश की बहुसंख्यक गरीब जनता के आय के इस प्रमुख स्त्रोत पर केन्द्र की भाजपा सरकार के वार के विरोध में कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन का निर्णय लिया है। जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा 17 दिसंबर को दोपहर 2 बजे गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत डाटा सेंटर के सामने इसके विरोध में धरना प्रदर्शन करेगी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा कार्यसमिति की घोषणा,सरगुजा को मिला सशक्त नेतृत्व

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से आज भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू द्वारा ओबीसी मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की गई। इस क्रम में भाजपा संगठन को और अधिक सशक्त करने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भाजपा ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों की घोषणा के तहत पार्षद मनोज गुप्ता को प्रदेश उपाध्यक्ष, राजेंद्र जायसवाल को दुर्ग संभाग प्रभारी तथा राकेश कुमार गुप्ता 'बबलू' को भाजपा ओबीसी मोर्चा सरगुजा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों से सरगुजा सहित पूरे क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ओबीसी समाज में उत्साह और हर्ष का माहौल है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि नव नियुक्त पदाधिकारी संगठन की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ ओबीसी समाज के हितों के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए प्रभावी रूप से कार्य करेंगे।

भाजपा नेतृत्व ने आशा व्यक्त की है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी संगठनात्मक जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए पार्टी को और अधिक मजबूत बनाएंगे तथा आगामी चुनावों में भाजपा को ऐतिहासिक सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई,4 पिकअप वाहन एवं 385 बोरी धान जब्त किए...

-संवाददाता-
जशपुरनगर,16 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में अवैध धान परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम फरसाबहार के नेतृत्व में गठित उड़नदस्ता दल ने आज औचक निरीक्षण के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए चार पिकअप वाहनों को अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए पकड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, औचक निरीक्षण के दौरान पकड़े गए चारों पिकअप वाहनों में 385 बोरी तक धान अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। जांच के दौरान संबंधित वाहनों के पास धान परिवहन से संबंधित आवश्यक वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाए गए, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी वाहनों को जब्त किया गया।

व्यापार समाचार

लगातार दूसरे दिन गिरा घरेलू शेयर बाजार निवेशकों के 3.33 लाख करोड़ रुपये डूबे

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारी का जोर भी बनता हुआ नजर आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी लगातार बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये दोनों सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में मंगलवार को खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मंगलवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक

मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद घट कर 467.70 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 471.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 3.33 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,651 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,520 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। 157 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,827 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 891 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,936 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 187.75 अंक की कमजोरी के साथ 85,025.61 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर 85,059.96 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स लगातार गिरता चला गया। बिकवाली के दबाव की वजह से मंगलवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 592.75 अंक टूट कर 84,620.61 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 533.50 अंक की गिरावट के साथ 84,679.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना दिल्ली में चांदी 2 लाख के पार पहुंची

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को जोरदार तेजी का रुख बना रहा। सोना मंगलवार को 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी भी मंगलवार को 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 1,35,390 रुपये से लेकर 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना मंगलवार को 1,24,110 रुपये से लेकर 1,25,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को

2,03,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में मंगलवार को 24 कैरेट सोना 1,35,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,35,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,35,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,25,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

सवालों के कटघरे में राजस्व व्यवस्था...बाबू गिरफ्तार

अफसर पाक-साफ...क्या यही है सिस्टम ?

जरही तहसील में एसीबी का छापा...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। तहसील कार्यालयों में रिश्वतखोरी कोई नई बात नहीं है,यह एक खुला हुआ रहस्य है, जिस पर हर बार तब 'सरकारी मुहर' लगती है, जब एंटी करप्शन ब्यूरो किसी बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लेती है, लेकिन हर कार्रवाई के बाद वही पुराना, अनुत्तरित सवाल फिर खड़ा हो जाता है क्या बाबू अपने अधिकारी के लिए रिश्वत लेते हैं या सिर्फ खुद के लिए? और अगर अफसर की जानकारी के बिना रिश्वत ली जाती है, तो अफसर जिम्मेदारी से कैसे बच जाता है?

बाबू पकड़ा गया...लेकिन अफसर फिर बच गया!

हर बार की कहानी लगभग एक जैसी होती है एसीबी की टीम आती है, बाबू या पटवारी रंगे हाथ पकड़ा जाता है, मीडिया में खबर चलती है,विभाग कहता है हम भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे,लेकिन एक सवाल हर बार अनुत्तरित रह जाता है क्या उस बाबू पर उसके उच्च अधिकारियों का कोई नियंत्रण नहीं था? या फिर नियंत्रण था, लेकिन जानबूझकर आंखें मूंदी गई थीं? यह मानना बेहद भोला होगा कि बिना तहसीलदार बिना एसडीएम बिना राजस्व निरीक्षक की जानकारी के बाबू खुलेआम फाइल रोक-चलाकर रिश्वत वसूल रहा है,अगर अधिकारी ईमानदार होते,अगर वे साफ निर्देश देते कि एक रुपये भी रिश्वत नहीं ली जाएगी, तो क्या आज पटवारी और बाबू इतनी आसानी से पकड़े जाते?

रिश्वत की जड़ें ऊपर तक हैं...

सच्चाई यह है कि रिश्वत का खेल नीचे से शुरू होकर ऊपर तक जाता है, कर्मचारी उगाही करता है, और रकम ऊपर तक पहुंचती है यह बात आमजन नहीं, खुद विभाग के भीतर के लोग कहते हैं, आज हालात यह हैं कि नामांतरण हो,मुआवजा हो सीमांकन हो रिकॉर्ड सुधार हो हर फाइल की एक कीमत तय है, सूत्रों की मानें तो जरही में नए तहसीलदार के आने के बाद न सिर्फ रिश्वत का रेट बढ़ा है,बल्कि अब डराकर,प्रताड़ित कर वसूली की जा रही है।

सुशासन तिहार बनाम राजस्व भ्रष्टाचार

एक तरफ सुशासन तिहार के नाम पर प्रशासन जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान का दावा कर रहा है,तो दूसरी तरफ राजस्व विभाग का भ्रष्टाचार इस अभियान की साख पर करारा तमाचा है, आम आदमी पूछ रहा है, जब वैध काम के लिए भी रिश्वत देनी पड़े, तो सुशासन सिर्फ पोस्टर और भाषण तक ही सीमित क्यों है? बेशक, एसीबी की कार्रवाई साहसिक और सराहनीय है, लेकिन सिर्फ बाबू को पकड़ लेना पर्याप्त नहीं है।

क्या अब भी सुधरेगा सिस्टम ?

आज जनता का भरोसा इस सवाल पर टिका है क्या यह कार्रवाई एक मिसाल बनेगी या फिर चार दिन की चांदनी साबित होगी? अगर अफसरों की भूमिका की जांच नहीं होगी, ऊपर तक कार्रवाई नहीं पहुंचेगी, सिस्टम की जवाबदेही तय नहीं होगी, तो यह मान लेना पड़ेगा कि राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार कोई अपवाद नहीं,बल्कि व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है, अब वक्त आ गया है कि या तो सिस्टम सच में सुधरे, या फिर जनता को यह साफ-साफ बता दिया जाए कि राजस्व विभाग में काम नहीं, सौदा होता है।

एसीबी से भी सवाल

एक जरूरी सवाल एसीबी से भी बनता है क्या पूछताछ में यह नहीं पूछा जाता कि

यह रिश्वत किसके लिए ली जा रही थी?' क्या यह जानने की कोशिश नहीं होती कि क्या अधिकारी इस उगाही में शामिल थे या नहीं? अगर रिश्वत के तार ऊपर तक जुड़े हैं, तो नीचे के कर्मचारी को ही हर बार बलि का बकरा क्यों बनाया जाता है?

25 हजार लेते रंगे हाथ पकड़ा गया बाबू

सूरजपुर जिले की जरही तहसील एक बार फिर भ्रष्टाचार के कारण सुर्खियों में है, एंटी करप्शन ब्यूरो ने तहसील कार्यालय में पदस्थ लोगन राम (राजस्व बाबू) को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है, आरोप है कि बाबू ने क्षतिपूर्ति मुआवजा प्रकरण के निराकरण के एवज में रिश्वत की मांग की थी,पीड़ित रमेश रजवाड़े से पहले ही 15 हजार रुपये वसूले जा चुके थे,और शेष 25 हजार की मांग की जा रही थी,पीड़ित ने हिम्मत दिखाते हुए एसीबी से शिकायत की,योजनाबद्ध कार्रवाई के तहत बाबू को पकड़ लिया गया,गिरफ्तारी के बाद उसे तहसील कार्यालय के एक बंद कमरे में बैठाकर पूछताछ और दस्तावेजों की जांच की जा रही है,कार्रवाई से पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया।

असली सवाल: बाबू अकेला या सिस्टम का मोहरा?

हर बार की तरह इस बार भी एक बाबू पकड़ा गया,लेकिन क्या तहसीलदार, नायब तहसीलदार या संबंधित राजस्व अधिकारी को कुछ भी पता नहीं? क्या कोई बाबू बिना ऊपर की जानकारी के न्यायालयीन फाइलों को रोक-चलाकर सकता है? क्या बाबू अपने स्तर पर मुआवजा प्रकरण निपटा सकता है? जानकारों की मानें तो यह मानना भोलेपन की पराकाष्ठा है कि अधिकारी को कुछ भी पता नहीं होता, बाबू फाइल चलाता है,लेकिन फाइल की ताकत अफसर के हस्ताक्षर से आती है, फिर हर बार बाबू जेल जाता है, बाबू की नौकरी जाती है, बदनामी बाबू की होती है और सवालों से अफसर बच निकलते हैं क्या बाबू 'बलि का बकरा' है? या फिर यह पूरा खेल जानबूझकर नीचे तक सीमित रखा जाता है?

नियंत्रण की कमी या मौन सहमति?

यह तर्क भी दिया जाता है कि बाबुओं पर अधिकारियों का नियंत्रण नहीं है, इसलिए वे रिश्वत लेते पकड़े जाते हैं,लेकिन यह तर्क खुद राजस्व विभाग की पोल खोल देता है, अगर नियंत्रण नहीं है तो अफसर की भूमिका क्या है? जिम्मेदारी किसकी है? और जवाबदेही कौन तय करेगा? या फिर यह मान लिया जाए कि नियंत्रण नहीं, बल्कि मौन सहमति है।

एक कड़वा सवाल

क्या राजस्व विभाग का नाम बदलकर रिश्वतखोरी विभाग रख देना चाहिए? क्योंकि आज की सच्चाई यही है कि बिना रिश्वत के काम मुश्किल नहीं, लगभग नामुमकिन हो गया है, जरही तहसील की यह कार्रवाई कोई अपवाद नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का प्रतिबिंब है जहां छोटे हाथ पकड़े जाते हैं और बड़े हाथ हमेशा साफ रहते हैं, जब तक रिश्वतखोरी को व्यक्ति नहीं बल्कि तंत्र मानकर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हर छापे के बाद सिर्फ नाम बदलेंगे, कहानी वही रहेगी बाबू गिरफ्तार, अफसर बरी।

क्या राजस्व विभाग का नाम 'रिश्वतखोरी विभाग' रख देना चाहिए?

क्या अब यह सवाल पूछना भी गलत हो गया है कि राजस्व विभाग में बिना रिश्वत कोई काम क्यों नहीं होता? आज यह आरोप किसी एक व्यक्ति,एक गांव या एक तहसील तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि हजारों शिकायतों की शक्ल में सामने आ चुका है, एक बार फिर 25 हजार रुपये रिश्वत लेते बाबू की गिरफ्तारी ने पूरे सिस्टम को कठघरे में खड़ा कर दिया है, सवाल वही पुराना है, लेकिन अब और ज्यादा तीखा होकर क्या बाबू खुद रिश्वतखोर है या फिर वह अपने अफसरों का 'कलेक्शन एजेंट' है?

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक रामानुजगंज
नावापारा,पो.-आरागाही, जिला-बलरामपुर रामानुजगंज,(छ0ग0) पिन:479220
Email : principal.084.csvtu@gmail.com Website : https://www.gprganj.ac.in
क्रमांक 603/शापॉरा/स्था/2024-25 रामानुजगंज, दिनांक 15/12/2025

निविदा - निरस्त सूचना

शासकीय पॉलीटेक्निक रामानुजगंज, जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज के संस्था परिसर में (24X7) सुरक्षा सेवा हेतु मोहरबंद निविदाएं (निविदा क्रमांक- जी. 252605259) आमंत्रित की गई थी परन्तु अपरिहार्य कारणों से निविदा निरस्त किया जा रहा है।

जी नंबर-252605492/1
प्राचार्य
शासकीय पॉलीटेक्निक रामानुजगंज

रेलवे प्रबंधन के विरोध में लोगो ने किया चक्का जाम

-संवाददाता-

कोरबा,16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरबा जिले में रेलवे प्रबंधन द्वारा विस्तार कार्य के चलते एक माह पहले फोकटपारा और इंद्रा नगर दुरपा रोड बस्ती के लोगों को नोटिस जारी कर कहा गया था कि अपने मकान खाली कर दे। वहां पर रेलवे प्रबंधन द्वारा विस्तार किया जा सके।

इसे लेकर बस्ती के लोगों ने पहले कलेक्टर को वापस ज्ञापन सौपा था, लेकिन रेलवे प्रबंधन के दबाव को देखते हुए बस्ती के सैकड़ो लोगों ने पावर हाउस रोड ओवर ब्रिज के नीचे चक्का जाम कर दिया और प्रबंधन से भू-विस्थापन की मांग शुरू कर दी है जिनके समर्थन में वार्ड पार्षद तमेश अग्रवाल और निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर भी शामिल हुए। करीब 200 से अधिक मकानो को नोटिस जारी किया गया था। बसाहट की मांग की शहर के अंदर ही उन्हें जगह दी जाए।

रैन बसेरा बना पोषण पुनर्वास केन्द्र इस कड़ाके की ठंड में लोग हो रहे हैं परेशान

-संवाददाता-

खड़गवां,16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। खड़गवां ब्लॉक मुख्यालय खड़गवां जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत पिछ्ले 25 वर्ष पहले रैन बसेरा का निर्माण कार्य मध्य प्रदेश की सरकार ने दूर दराज से जनपद पंचायत मुख्यालय आये हुए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के ठहरने के लिए निर्माण कराया था। आज जब कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो जनपद पंचायत में प्रवास में आने वाले लोगों को ठहरने के लिए कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। जबकि जनपद पंचायत क्षेत्र में रैन बसेरा का निर्माण कार्य मध्यप्रदेश सरकार ने लोगों के अस्थायी ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। जनपद पंचायत खड़गवां में शुरूवात के समय पर रैन बसेरा का उपयोग भी सही ढंग से हो रहा था बाद में इसका उपयोग पोषण पुनर्वास केन्द्र के लिए भवन के रूप में स्वास्थ्य विभाग खड़गवां को दे दिया गया है। आज जनपद पंचायत खड़गवां में दूर दराज से आए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों को इस कड़ाके की ठंड में रूकने के लिए कोई भवन उपलब्ध नहीं है जिससे दूर दराज से आने वाले लोगों को बाड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

नाम सुधार सूचना

मैं शिवफल सिंह आ0 स्व0 जयराम सिंह, उम्र लगभग - 45 वर्ष, जाति- गोंड़, निवासी ग्राम- शिवप्रसादनगर,थाना-सूरजपुर, तहसील - भैयाथान, जिला- सूरजपुर (छ0ग0) का शपथपूर्वक निम्नांकित कथन करता हूँ -

मेरी पुत्री सीमा सिंह (SEEMA SINGH) आधार कार्ड क्रमांक 6953 6666 4586 है । मेरी पुत्री के कक्षा 5वीं अंकसूची व जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का वास्तविक नाम सीमा सिंह (SEEMA SINGH) एवं पिता का शिवफल सिंह (SHIVPHAL SINGH) अंकित हैं जो कि सत्य एवं सही है । आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम सीमा (SEEMA) एवं पिता का नाम सिफल राम (SIPHAL RAM) अंकित है जो कि गलत है।

मेरी पुत्री का वास्तविक नाम सीमा सिंह (SEEMA SINGH) एवं पिता का शिवफल सिंह (SHIVPHAL SINGH) अंकित कराने हेतु मैं स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शिवफल सिंह
निवासी ग्राम-शिवप्रसादनगर,थाना- सूरजपुर, तहसील - भैयाथान, जिला- सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागिय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरभजन सिंह बग्गा पिता जयमल सिंह बग्गा जाति सिक्ख निवासी बड़ाबाजार चिरमिरी तहसील चिरमिरी जिला कोरिया (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिय की भूमि स्थित ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 130/9, रकबा 0.021 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक10/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तेहार

रा0प्र0क्र0./ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कैलाश प्रसाद गुप्ता आ0 नान्हू साव व अन्य निवासी समलाया मंदिर के पास अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2354 / 3 रकबा 0.018 हे0 भूमि को अनावेदक निशांत कश्यप, अनन्त कश्यप आ0प्रदीप कुमार कश्यप दोनो ना0बा0 के वली पिता प्रदीप कुमार कश्यप आ0लक्ष्मी साव निवासी रामचन्द्रपुर तहसील रामचन्द्रपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 10,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 31.12.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 05/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

नाम सुधार सूचना

मैं शिवफल सिंह आ0 स्व0 जयराम सिंह, उम्र लगभग - 45 वर्ष, जाति-गोंड़, निवासी ग्राम- शिवप्रसादनगर थाना- सूरजपुर, तहसील - भैयाथान, जिला- सूरजपुर (छ0ग0) का शपथपूर्वक निम्नांकित कथन करता हूँ

मैं उपरोक्त पते का मूल निवासी हूँ, मेरा आधार कार्ड क्रमांक 86257240 7461 है। मेरे कक्षा 5वीं अंकसूची व मेरे ड्राईविंग लाइसेंस क्रमांक 3509/CG15/2008 में मेरा वास्तविक नाम शिवफल सिंह (SHIVPHAL SINGH) एवं मेरे पिता का जयराम सिंह (JAIRAM SINGH) अंकित हैं जो कि सत्य एवं सही है ।

मेरे आधार कार्ड क्रमांक 8625 7240 7461 में मेरा नाम सिफल राम (SIPHAL RAM) एवं मेरे पिता का नाम जय राम (JAY RAM) अंकित है जो कि गलत है ।

मेरे आधार कार्ड क्रमांक 8625 7240 7461 में अपना वास्तविक नाम (SHIV-PHAL SINGH) एवं मेरे पिता का जयराम सिंह (JAIRAM SINGH) अंकित कराने हेतु मैं स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शिवफल सिंह
निवासी ग्राम-शिवप्रसादनगर,थाना- सूरजपुर, तहसील - भैयाथान, जिला- सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागिय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तेहार

रा0प्र0क्र0..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक एडिलवर्ग पुत्री फागुआ लोइस लकड़ा, निर्मला पुत्री सिमोन कुजूर, अंजेला पुत्री पौलुस तिर्की एवं जुलियाना पुत्री सीमोन लकड़ा जाति उरांव निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्य की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 41, 42, 44, रकबा 0.983, 2.047, 0.425 हे0 में से 0.710, 0.760, 0.130 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक (शैक्षणिक) प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15 /12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागिय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तेहार

रा0प्र0क्र0./ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार सोनी पिता अम्बिका प्रसाद सोनी निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1898/15,1899/17 रकबा 0.010, 0.002 हे0 भूमि को अनावेदक दीपक कुमार बोस पिता प्रभाष चन्द्र बोस निवासी डी0सी0रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 37,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 31.12.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 01/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तेहार

रा0प्र0क्र0./अ-06/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अमरजीत कौर पति सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा, जाति सिक्ख, निवासी कुण्डलासिटी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ. ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि न्यायालय नजूल अधिकारी के रा0प्र0क्र0 113/अ-6/2005-06 में पारित आदेश दिनांक 24 मई 2006 अनुसार वादभूमि खसरा क्र. 1413/4840 / 2 में से रकबा 9×112.3 फीट या 93.93 वर्गमीटर भूमि का नामांतरण पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका के पक्ष में किया गया है। किन्तु आज दिनांक तक उक्त वादभूमि पर आवेदिका का नाम दर्ज नहीं हुआ है। तद्नुसार पारित आदेश दिनांक 24.05.2006 के आधार पर उक्त वादभूमि पर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु रा0प्र0क्र0 113 / अ- 6 / 2005-06 में पारित आदेश दिनांक 24 मई 2006 की सम्पूर्ण नस्ती / आदेश की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 114, 115 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/01 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।गया।

आज दिनांक 04/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया

सील
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर सरगुजा

सोनहत के लब्जी-पुसला में मिला कोकिंग कोयला का नया भंडार

कोरिया से स्टील इंडस्ट्रीज को सालाना 30 लाख टन कोयले की आपूर्ति,12 किमी फ्लाईओवर कन्वेयर बेल्ट की तैयारी

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के वनांचल ब्लॉक सोनहत अंतर्गत ग्राम लब्जी-पुसला में कोकिंग कोयला का नया भंडार मिलने से क्षेत्र में खनन गतिविधियों को लेकर बड़ी पहल सामने आई है। इस नए भंडार के आधार पर कोल इंडिया को नई खदान खोलने का प्रस्ताव भेजा गया है, आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद यहां से सालाना लगभग 30 लाख टन कोकिंग कोयला स्टील इंडस्ट्रीज को आपूर्ति किए जाने की योजना है। जानकारी के अनुसार, सीएमपीडीआई और एमईसीएल की तकनीकी सहायता से सोनहत ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों में पिछ्ले कई वर्षों से कोयला भंडार की खोज का कार्य चल रहा था, इसी क्रम में लब्जी-पुसला क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाला कोकिंग कोयला पाया गया है, मामले में एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र द्वारा नई खदान खोलने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

> सोनहत क्षेत्र के ग्राम लब्जी-पुसला में कोकिंग कोयला का नया भंडार मिला है। नई खदान खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, कोल इंडिया से अनुमति मिलने के बाद यहां से सालाना 30 लाख टन कोयला उत्पादन कर स्टील इंडस्ट्रीज को आपूर्ति की जाएगी।
>
> बी.एन. झा,
> महाप्रबंधक,एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र

जमीन अधिग्रहण और खनन की तैयारी

प्रस्तावित खदान के लिए लगभग 10 हेक्टेयर निजी भूमि राजस्व विभाग के माध्यम से चिह्नित की गई है, जबकि शेष भूमि वन क्षेत्र से अधिग्रहित की जाएगी। लगभग 4 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन सहित अन्य गतिविधियां संचालित होंगी। कोल इंडिया से अंतिम मंजूरी के बाद खदान का संचालन शुरू होगा, जिससे 25 से 30 वर्षों तक निरंतर उत्पादन की संभावना है। इससे सोनहत क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

नगर रेलवे स्टेशन पर बनेगा नया कोल साइडिंग

एसईसीएल के अनुसार, खनन के बाद कोयले को रेलवे रैक के माध्यम से स्टील इंडस्ट्रीज तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए नगर रेलवे स्टेशन के पास नया कोल साइडिंग विकसित करने हेतु जमीन फाइनल कर ली गई है, हालांकि, लब्जी-पुसला से रेलवे साइडिंग तक मौजूदा सड़क मार्ग संकरा और जोखिमभरा है। इसी कारण 12 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर कन्वेयर बेल्ट बनाने के साथ-साथ सड़क मार्ग, दोनों विकल्पों पर विशेषज्ञ टीम द्वारा रिपोर्ट तैयार की जा रही है, ताकि दुर्घटनाओं से बचाव और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित किया जा सके।

क्यों खास है कोकिंग कोयला

एसईसीएल के मुताबिक,कोकिंग कोयला बिटुमिनस कोयले का विशेष प्रकार है, जिसे ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में उच्च तापमान पर गर्म करने पर कोक में बदला जाता है। यह कोक इस्पात निर्माण में ब्लास्ट फर्नेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इसकी विशेषता यह है कि गर्म करने पर यह नरम होकर फूलता है, इसमें वाष्पशील पदार्थ कम होते हैं और यह मजबूत, छिद्रपूर्ण संरचना बनाता है,जो स्टील उत्पादन की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है।

सरस्वती शिशु मंदिर में 22 वर्षों के पूर्व छात्र होंगे एक साथ,तैयारियां अंतिम चरण में...

21 को मनेन्द्रगढ़ में पूर्व छात्रों का ऐतिहासिक समागम

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। मनेन्द्रगढ़ स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के 55 वर्षों के इतिहास में पहली बार पूर्व छात्रों का भव्य सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है, यह ऐतिहासिक आयोजन 21 दिसंबर 2025 (रविवार) को सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में संपन्न होगा, कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य विनोद शुक्ला ने बताया कि इस सम्मेलन में वर्ष 1983 से 2005 तक विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर चुके भैया-बहिन (पूर्व छात्र) एक साथ जुटेंगे। विद्यालय के सभी पूर्व छात्रों के सहयोग से आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसकी तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं।

सुबह से शाम तक चलेगा आयोजन

पूर्व छात्र सम्मेलन का शुभारंभ सुबह 8 बजे होगा, जो शाम 6 बजे तक चलेगा,कार्यक्रम के दौरान पूर्व एवं वर्तमान में कार्यरत आचार्यों का सम्मान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति,स्मृतियों और अनुभवों का साझा मंच जैसे विविध आयोजन शामिल रहेंगे।

घोष दल के साथ निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सम्मेलन के समापन अवसर पर विद्यालय से घोष दल के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी यह शोभायात्रा भगत सिंह तिराहा, जैन मंदिर, गुरुद्वारा, विवेकानंद चौक,राम मंदिर होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में समाप्त होगी, मार्ग में नागरिकों द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। आयोजन को यादगार बनाने के लिए शहर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार भी बनाए जा रहे हैं।

भावनात्मक जुड़ाव का अवसर

यह सम्मेलन न केवल पूर्व छात्रों के पुनर्मिलन का अवसर होगा, बल्कि संस्कार, शिक्षा और स्मृतियों से जुड़े उस दौर को फिर से जीवंत करेगा, जिसने हजारों विद्यार्थियों के जीवन की दिशा तय की, आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम मनेन्द्रगढ़ के शैक्षणिक और सामाजिक इतिहास में एक नई मिसाल कायम करेगा।

सोनहत बीआरसी में विकासखंड स्तरीय दिव्यांग आंकलन शिविर

-संवाददाता-

सोनहत, 16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। दिनांक 16 दिसंबर को बी.आर.सी. भवन सोनहत में दिव्यांग बच्चों के लिए विकासखंड स्तरीय आंकलन शिविर का आयोजन किया गया, यह शिविर कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक के निर्देशानुसार तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, शिविर का संचालन बी.एम.ओ. सोनहत डॉ. बलवंत सिंह के नेतृत्व में गठित मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया, बोर्ड ने विकासखंड सोनहत के बालवाड़ी से कक्षा 12वीं तक के कुल 44 दिव्यांग विद्यार्थियों का परीक्षण किया तथा आवश्यकतानुसार मेडिकल सर्टिफिकेट जारी किए। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आंकलन शिविरों का उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों की पहचान, आवश्यक प्रमाणन एवं शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

मेडिकल बोर्ड में-

नाक, कान एवं गला विशेषज्ञः डॉ. योगेंद्र सिंह चौहान
अस्थि रोग विशेषज्ञः डॉ. गौतम सिंह पैकरा
मानसिक रोग विशेषज्ञः डॉ. सुमन कुमार
नेत्र रोग विशेषज्ञः डॉ. आर.बी. दिवाकर

शिविर में रही व्यापक सहभागिता- कार्यक्रम में बी.ई.ओ. सोनहत श्री अरविंद सिंह, बी.आर.सी. श्री एरोन बाखला, बी.आर.पी. श्रीमती जुदिका किंडो, संबंधित शिक्षकगण एवं बच्चों के पालक उपस्थित रहे।

व्यवस्थाएं एवं सहयोग-

मंच संचालनः रमेश गुप्ता (सी.ए.सी. सोनहत)
फोटोग्राफीः आश्रित तिर्की (सी.ए.सी. पुसला)
चिकित्सकीय सहयोगः राजकुमार पाल (सी.ए.सी. कटगोड़ी-सी)
उपस्थिति पंजीयनः मनोज कुमार कोरी (प्रधान पाठक, देवतीडॉड़)
मेडिकल फॉर्म पंजीयनः कु. संगीत सिंह (शिक्षक, मा.शा. तंजरा)
अन्य सहयोगः कु. हिमांशी पैकरा, कु. राजकुमारी पैकरा, सुरेंद्र प्रसाद, बुधराम राजवाड़े, विजय प्रसाद, श्यामलाल वर्मा, शिवनारायण

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान, जिपं अध्यक्ष मोहित राम पैकरा ने बैकुंठपुर के दो स्कूलों का किया निरीक्षण

-संवाददाता-

कोरिया,16 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत जिले में शासकीय विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता की जांच लगातार जारी है,इसी क्रम में 15 दिसंबर 2025 को जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा ने बैकुंठपुर विकासखंड के दो विद्यालयों का निरीक्षण कर शैक्षणिक स्तर एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया, निरीक्षण की शुरुआत प्राथमिक शाला सोनपुर से हुई,यहां जिला पंचायत अध्यक्ष ने कक्षाओं में जाकर छात्र-छात्राओं से सामान्य विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे और उनकी समझ व सीखने के स्तर का आंकलन किया, इस दौरान उन्होंने शिक्षकों को छात्रों की शैक्षणिक स्थिति में और अधिक सुधार लाने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर एवं व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया, इसके पश्चात पूर्व माध्यमिक शाला मदनपुर का निरीक्षण किया गया,विद्यालय भवन की स्थिति का अवलोकन करते हुए उन्होंने टूटे फर्श की मरम्मत कराए जाने का आश्वासन दिया, मदनपुर विद्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं के साथ पर्याप्त समय बिताया और विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे,बच्चों की हाजिरजवाबी और आत्मविश्वास देखकर वे संतुष्ट नजर आए, इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें तथा बच्चों को भविष्य में आगे बढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने की दिशा में और अधिक मेहनत करें।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान पूरे प्रदेश में संचालित हो रहा है और यह अभियान का दूसरा चरण है, प्रथम चरण में शिक्षकों द्वारा एक-दूसरे विद्यालयों का भ्रमण कर शैक्षणिक स्तर का आंकलन किया गया था। जिन विद्यालयों का स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया, उनके पुनः आंकलन की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है, यह अभियान सतत् रूप से जारी रहेगा, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा ने इस अभियान को जिले सहित प्रदेश के शासकीय विद्यालयों की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के विद्यालयों और वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को प्रत्यक्ष रूप से जानने का अवसर मिल रहा है, साथ ही यह सरकार की शिक्षा के प्रति गंभीरता को भी दर्शाता है।

स्कूल की गुणवत्ता सुधारने की नई पहल

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान शासकीय स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने नई पहल मानी जा रही है,इस अभियान के तहत जहां शैक्षणिक गुणवत्ता की परख की जा रही है वहीं स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं का भी आंकलन किया जा रहा है, इस अभियान के दौरान शासकीय स्कूलों की वास्तविक स्थिति सामने आ रही है और जिसमे सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

अलग-अलग स्कूल प्रधान पाठक व शिक्षकों को निरीक्षण की जिम्मेदारी जो स्कूल का ग्रेड तय करेंगे

प्रथम चरण में स्कूलों के निरीक्षण का जिम्मा अलग अलग स्कूलों के प्राचार्य,प्रधानपाठकों को दिया गया था,उनके द्वारा अलग अलग स्कूलों का निरीक्षण कर स्कूलों को ग्रेड प्रदान किया गया था,अब उसी आधार पर जनप्रतिनिधियों को जिम्मा मिला है जो खराब प्रदर्शन वाले स्कूलों का निरीक्षण पर रहे हैं और वह अपने अनुसार उन्हें सुधार का निर्देश प्रदान कर रहे हैं।

जनप्रतिनिधि भी रखेंगे निरीक्षण पर ध्यान

सरकार की सोच है कि स्कूलों के प्रति जनप्रतिनिधियों का भी ध्यान बना रहे,वह निरीक्षण से क्षेत्र के स्कूलों की स्थिति समझें और सुधार के प्रयास साथ मिलकर करें,सरकार की मंशा है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि अपने आसपास के स्कूलों का जब निरीक्षण करेंगे वह वस्तुस्थिति से अवगत हो सकेंगे और ऐसा होने पर वह सुधार हेतु प्रयास करेंगे।

लड़कियां मुझे नचाती...रंजीत पर चढ़ा धुरंधर का बुखार

84 साल के विलेन ने दी अक्षय खन्ना को टक्कर

धुरंधर में अक्षय खन्ना के अरेबिक गाने एफए९एलए गाने का खुमार फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस गाने के लिरिक्स भले ही उन्हें न समझ आ रहा हो, लेकिन अक्षय खन्ना के स्टेप्स काफी पसंद आ रहे हैं,जिस पर अब तक लाखों रील्स बन चुकी है। इस गाने के ट्रेंड को फॉलो करने वालों की लिस्ट में अब विलेन रंजीत का नाम भी जुड़ गया है।

रणवीर सिंह भले ही आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर के लीड एक्टर थे,लेकिन इस वक्त हर जगह चर्चा अक्षय खन्ना की हो रही है। अक्षय खन्ना का स्पाई थ्रिलर फिल्म से एफए९एलए गाना काफी वायरल हो रहा है, जिस पर अब तक लाखों रील्स बन चुकी हैं।

इस बीच ही बॉलीवुड के खूंखार विलेन 84 साल के रंजीत ने भी अक्षय खन्ना के धुरंधर के इस वायरल गाने पर रील बनाई है, जिसे देखकर फैन उनकी तारीफ करते हुए नहीं रुक रहे हैं। रंजीत के कैप्शन ने तो फैंस का दिल ही जीत लिया है।

अक्षय खन्ना के गाने पर जमकर थिरके रंजीत

रंजीत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वह कॉपी टू कॉपी वैसे ही स्टेप्स कर रहे हैं, जैसे अक्षय खन्ना ने फिल्म धुरंधर के वायरल गाने एफए९एलए में किए हैं, फैंस खूंखार विलेन के स्टाइल और डांस स्टेप से काफी इम्प्रेस भी हो गए हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए रंजीत ने कैप्शन में लिखा, लड़कियां मुझे नचाती ही रहती हैं। अब देखो मेरी 6 साल की पोती दिया ने क्रेजी बनाकर अपने जन्मदिन पर डांस कराया और मुझे बहुत मजा आया। आप लोग भी बच्चों के साथ ऐसे ही करो..हमेशा फिट रहोगे।

सोशल मीडिया पर फैंस हुए रंजीत के स्टेप से इम्प्रेस

84 साल की उम्र में भी रंजीत जिस एनर्जी से डांस कर रहे हैं, वह देखकर फैंस की आंखें खुली की खुली रह गई हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या बात है भाई साहब...आप तो अक्षय खन्ना को टक्कर दे रहे हैं। दूसरे यूजर ने लिखा,रंजीत भाई आप इससे भी बड़े विलेन थे अपने जमाने में..आपका हाथ कोई नहीं पकड़ सकता। एक अन्य यूजर ने लिखा, आप मेरे फेवरेट हो सर...जब मैं छोटा था,तो आपसे बहुत नफरत करता था। जब मैं बड़ा हुआ तब ये बात समझ में आई कि आपने अपनी एक्टिंग में इतनी जान डाली थी कि हम आपसे नफरत करें। एक अन्य यूजर ने लिखा,ऐसा कभी-कभी ही देखने को मिलता है।

भाई सुपरस्टार,मां-पापा एक्टिंग के मसीहा, लेकिन महाफ्लॉप रहा बेटी का करियर, 10 साल से 1 हिट को तरस रही स्टारकिड...

बॉलीवुड में हर साल कई स्टारकिड अपनी किस्मत आजमाते हैं, जिनमे से कोई हिट हो जाता है और सालों साल इंडस्ट्री पर राज करता है तो कई का करियर गिनी-चुनी फिल्मों तक सिमट कर रह जाता है। 10 साल पहले भी एक स्टारकिड ने डेब्यू किया था, जिसे आज तक वो मुकाम नहीं मिल पाया है जिसकी तलाश में ये स्टारकिड थी।

पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट गई और इसी के साथ करियर भी पटरी पर आने से पहले ही उतर गया। सुपरस्टार भाई भी इनके करियर को सहारा नहीं दे पाए। हम बात कर रहे हैं सना कपूर की, जो शाहिद कपूर की सौतेली बहन और एक्टिंग के मसीहा कहे जाने वाले पंकज कपूर और सुप्रिया पाठक की बेटी हैं।

काजोल को देखकर जब ट्रक ड्राइवर हो गया था रोमांटिक, सिग्नल पर गाड़ी रोककर गाल पर हाथ रखकर बोली ये बात...

बॉलीवुड सितारों का हर तरीके के फैंस से पाला पड़ता है। कुछ सनकी फैंस उन्हें मिलते हैं, तो कुछ क्यूटनेस से अपने फेवरेट स्टार का ही दिल जीत लेते हैं। ऐसा ही एक इंसिडेंट 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस काजोल के साथ भी हुआ था, जब एक ट्रक ड्राइवर उन्हें देखकर रोमांटिक हो गया था।

90 के दौर के कई ऐसे कलाकार हैं, जिनकी चमक आज की जेन-जेड के आगे भी धुंधली नहीं हुई है। माधुरी दीक्षित हो या काजोल, ममता कुलकर्णी हो या करिश्मा कपूर, ये जहां भी जाते हैं, फैंस इन पर अपना प्यार लुटाने से बिल्कुल भी पीछे नहीं रहते हैं।

90 के दशक में कुछ-कुछ होता है, दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे,करण-अर्जुन जैसी सफल फिल्में देने वालीं काजोल ने हाल ही में एक ऐसा ही इंसिडेंट शेयर किया,जब एक ट्रक ड्राइवर ने उन्हें देखा और फिर जो हुआ,उसने काजोल के चेहरे पर खुशी ला दी।

ट्रक ड्राइवर ने

रोमांटिक अंदाज में काजोल को कही ये बात...

कुछ फिल्में थिएटर से हट जाती हैं,लेकिन उनकी छाप फैंस के दिलों में छप जाती है। ऐसा ही प्रभाव तीस साल पहले रिलीज हुई फिल्म दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगेट (डीडीएलजे) का भी रहा है। मुंबई मनोरंजन संवाददाता की रिपोर्ट्स के मुताबिक,उन दिनों को याद करते हुए काजोल ने बताया,जब दिलवाले दुल्हनिया रिलीज ही हुई थी। मैं फिल्मसिटी से ड्राइव करके घर जा रही थी । एक सिग्नल पर एक ट्रक मेरे पास आकर रुका। मेरी नजर ट्रक ड्राइवर की ओर गई । वह मुझे ही देख रहा था । उसने अपने गाल पर अपना हाथ रखा था और मुझे देखकर रोमांटिक अंदाज में कहा हाय,मेरी सिमरन है।

काजोल का दिल हो गया था खुश

काजोल ने आगे कहा, मैं सच कहूं,तो मुझे अपने काम की सकारात्मक समीक्षा से उतनी खुशी नहीं मिलती है, जितना इससे मिलती है,जब कोई आकर कहता है कि आपका फलां काम बहुत पसंद आया है। इससे दिल खुश हो जाता है।

1992 में बेखुदी से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली काजोल ने वक्त के साथ अपने आपको अपग्रेड किया। अब वह बड़े पर्दे के साथ-साथ ओटीटी पर भी लगातार काम कर रही हैं। उनकी लास्ट फिल्म सरजमीं ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ही रिलीज हुई थी। इस फिल्म के बाद अब काजोल जल्द ही महारानी-क्वीन ऑफ क्वींस में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन चरण तेज उप्पलाप्ती कर रहे हैं, जिसमें काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे।

बॉर्डर की कंजी आंखों वाली हीरोइन,जिसके घुंघराले बालों में उलझा था सुनील शेट्टी का दिल, 28 सालों में इतना बदल गई,पहचान नहीं पाएंगे

1990 का दशक बॉलीवुड के इतिहास में एक स्वर्ण युग के रूप में याद किया जाता है। इस दौर में कई नए कलाकारों ने अपनी प्रतिभा और अभिनय से इंडस्ट्री में कदम रखा और कुछ ही सालों में अपनी अलग पहचान बनाई। इस दशक की सबसे खास विशेषताओं में से एक यह थी कि देशभक्ति पर आधारित कई फिल्में बनकर सामने आई, जिन्होंने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। इन फिल्मों में कहानी,संगीत और अभिनय का ऐसा मिश्रण था कि वे आज भी यादगार मानी जाती हैं। 1997 में रिलीज हुई बॉर्डर ऐसी ही एक फिल्म थी,जिसने अपनी जबरदस्त कहानी, देशभक्ति से भरी थीम और मजबूत अभिनय की वजह से दर्शकों का दिल जीत लिया। यह फिल्म न केवल उस समय की हिट फिल्म बनकर उभरी, बल्कि आज भी अपने प्रभाव और भावनात्मक गहराई के लिए याद की जाती है।

निभाया था सुनील शेट्टी की पत्नी का रोल

अब 28 साल बाद इस फिल्म का सीक्वल आने जा रहा है, जिससे फैंस में उत्साह और उमंग की लहर दौड़ गई है। बॉर्डर 2 के आने से यह क्लासिक फिल्म एक नई पीढ़ी के सामने अपनी छाप छोड़ने को तैयार है। इस फिल्म के कई कलाकार अब भी सक्रिय हैं, जैसे सनी देओल और सुनील शेट्टी, जिन्होंने इस फिल्म के साथ ही अपने करियर में मजबूत पहचान बनाई। वहीं,सुनील शेट्टी की पत्नी का किरदार निभाने वाली शरबानी मुखर्जी का फिल्मी सफर धीरे-धीरे खत्म हो चुका है। उनकी हालिया तस्वीरों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आने से पता चलता है कि समय के साथ उनका लुक काफी बदल चुका है।

इन फिल्मों में शरबानी ने किया काम

शरबानी मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत बॉर्डर से की थी। यह फिल्म उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रही क्योंकि इसमें उनका अभिनय और प्राकृतिक खूबसूरती दोनों ही दर्शकों के बीच खूब सराहे गए। उनके घुंघराले बाल, बड़ी काली आंखें और सहज अभिनय दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने। फिल्म में उनका सुनील शेट्टी के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस भी काफी पसंद किया गया और गाना 'तो चलूं, तो चलूंज' आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय है। हालांकि फिल्मों में आने के कुछ सालों बाद ही शरबानी ने बड़े पर्दे से दूरी बनानी शुरू कर दी। उन्होंने साउथ इंडियन और भोजपुरी फिल्मों में काम किया, लेकिन मुख्यधारा की बॉलीवुड फिल्मों में उनकी उपस्थिति समय के साथ घटती गई।

सोशल मीडिया पर एक्टिव है शरबानी

फिल्मी दुनिया से दूरी के बावजूद शरबानी सोशल मीडिया पर सक्रिय रही हैं। उनकी हालिया तस्वीरों और पब्लिक इवेंट्स में बदलाव देखने से पता चलता है कि उनका लुक अब काफी अलग है और कई फैंस उन्हें पहचानने में चूक जाते हैं। हर साल आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा कार्यक्रमों में शरबानी अपनी बहन काजोल और रानी मुखर्जी के साथ शामिल होती हैं। यह परिवार बॉलीवुड के प्रतिष्ठित परिवारों में से एक है। शरबानी, काजोल और रानी मुखर्जी की चचेरी बहन हैं और उनके कजिन भाई निर्देशक अयान मुखर्जी भी हैं। इस तरह उनका फिल्मी संबंध और परिवार इंडस्ट्री में विशेष महत्व रखता है।

बॉयफ्रेंड का हाथ थामे खिलखिलाते हुए आ रही थी फेमस एक्ट्रेस,कैमरे देखते ही उड़ी हवाइयां,सकपका कर की अटपटी हरकत

सेलेब्रिटीज का अपने चाहने वालों के साथ पब्लिक प्लेस पर नजर आना हमेशा सुर्खियां बटोर लेता है और पैपराजी की नजर से बच पाना अक्सर मुश्किल होता है। सितारे हमेशा ही कैमरे की नजरों से बचने की कोशिश करते हैं,लेकिन कभी कैफे तो एयरपोर्ट पर पकड़े जाते हैं। ऐसे में कई बार वो असहज भी हो जाते हैं। हाल ही में ऐसा ही कुछ अंग्रेजी मीडियम फेम एक्ट्रेस राधिका मदान के साथ देखने को मिला, जब उन्हें एक मिस्ट्री मैन के साथ बाहर निकलते हुए कैमरे में कैद कर लिया गया। दोनों के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगीं, जिसे देखने के बाद अब लोगों के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कई लोगों के रिएक्शन काफी फनी भी हैं।

राधिका ने किया इस तरह रिएक्ट

सामने आए वीडियो में आप राधिका को शॉर्ट्स और क्रॉप टॉप में देख सकते हैं। वो एक मिस्ट्री मैन के साथ दिख रही हैं और ये कई और नहीं उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड विहान समत ही हैं,जिनृका हाथ थामे आगे बढ़ती हुई दिख रही हैं। जैसे ही पैपराजी ने दोनों को साथ देखा, राधिका थोड़ी असहज नजर आईं और तुरंत ही विहान का हाथ छोड़ दी। इस दौरान दोनों के चेहरे पर मास्क था, लेकिन इसके बावजूद पैप्स ने उन्हें पहचान लिया और उनका नाम बुलाने लगे। ऐसे में वो कुछ देर वहीं रुकीं और विहान से दूरी बना ली। इतना ही नहीं इसके बाद विहान आगे उनका छोड़कर चले और पीछे-पीछे राधिका गुस्से में चलती नजर आईं। इस दौरान दोनों के चेहरे की हवाइयां उड़ गईं। डेटिंग की चर्चाओं के बीच ही दोनों का ये वीडियो भी सामने आया है। ऐसे में लोग दोनों के रिश्ते को अब कंफर्म मान रहे हैं। दिलचस्प बात यह रही कि कुछ ही पल पहले दोनों हाथों में हाथ डाले बाहर आते दिखे थे, एक साथ काफी खुश दिख रहे थे, जिससे रोमांस की चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गईं। हालांकि कैमरों की मौजूदगी का एहसास होते ही उन्होंने अलग-अलग चलना बेहतर समझा। इस वीडियो को देखने के बाद एक शख्स ने रिएक्ट करते हुए लिखा, प्यार कियाल तो डरना क्या..., एक अन्य शख्स ने लिखा, दोनों साथ क्यूट लग रहे थे, डरने की क्या ही जरूरत थी। एक और शख्स ने लिखा, लगता है पापा-मम्मी को पता चलने के डर से हाथ छोड़ दी।

विहान समत कौन हैं?

विहान समत ओटीटी की दुनिया के फेमस एक्टर हैं। नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज मिसमैच (2020) से अपना करियर शुरू किया और बाद में इटर्नली कंफ्यूज्ड और ईगर फॉर लव जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है।

खेल समाचार

साल 2025 में बल्ले से न्यूजीलैंड के डैरेल मिचेल ने मचाई तबाही

दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज,फिर भी रहे अनसोल्ड

आईपीएल २026 के मिनी ऑक्शन में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डैरेल मिचेल को किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा, जो उनके शानदार इंटरनेशनल फॉर्म के बावजूद चौंकाने वाला रहा। पिछले सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले मिचेल को 14 करोड़ में खरीदा गया था, लेकिन इस बार वह अनसोल्ड रह गए।

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2025। आईपीएल 2026 की मिनी ऑक्शन में एक हैरान कर देने वाला फैसला सामने आया है, जहां न्यूजीलैंड के शानदार ऑलराउंडर डैरेल मिचेल को किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा और वह अनसोल्ड रह गए। यह घटना इसलिए भी चौकाने वाली है, क्योंकि मिचेल ने पिछले एक साल में इंटनेशनल क्रिकेट में जबरदस्त फॉर्म दिखाई है। हालांकि इसके बाद भी किसी अन्य टीम ने उन पर बोली नहीं लगाई।

शानदार फॉर्म के बावजूद निराशा

डैरेल मिचेल ने साल 2025 में वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 761 रन बनाए थे। उनके इंटरनेशनल आंकड़े भी शानदार हैं, जहां उनका वनडे औसत 53 का है और उन्होंने इस फॉर्मेट में 7 शतक लगाए हैं। वह इस समय वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर हैं। ञ्20 इंटरनेशनल में भी उन्होंने 90 मैचों में 139 के स्ट्राइक रेट से 1674 रन बनाए हैं। इन बेहतरीन आंकड़ों और ऑलराउंडर की क्षमता के बावजूद, किसी भी टीम ने उन पर दांव नहीं लगाया।

सीएसके के लिए पिछला प्रदर्शन

डैरेल मिचेल को पिछले सीजन, आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स ने लगभग` 14 करोड़ की बड़ी रकम खर्च कर खरीदा था। उन्होंने ष्टस्य के लिए 13 मैच खेले थे और 142 के स्ट्राइक रेट से 318 रन बनाए थे,जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल थे। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने नीलामी से पहले मिचेल पर काफी भरोसा जताया था। उन्होंने कहा था कि मिचेल एक क्वालिटी ओवरसीज बल्लेबाज हैं, जो स्पिन को बहुत अच्छी तरह खेलते हैं और चेन्नई जैसी मुश्किल पिचों पर उनकी यह क्षमता उन्हें एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है। पठान को उम्मीद थी कि मिचेल को खरीदने के लिए फ्रेंचाइजियों के बीच होड़ लगेगी।

क्यों नहीं मिला खरीदार?

सीएसके द्वारा भारी कीमत पर रिलीज किए जाने के बाद, मिचेल की पिछली फॉर्म और ऑलराउंडर की क्षमता को देखते हुए माना जा रहा था कि वह एक आकर्षक खरीद होंगे। हालांकि, उनके अनसोल्ड रहने के पीछे फ्रेंचाइजियों की ओर से ओवरसीज स्लॉट और पर्स बचाने की रणनीति हो सकती है। अब मिचेल को अगली नीलामी के लिए इंतजार करना होगा, जहां उन्हें अपने हालिया शानदार इंटरनेशनल प्रदर्शन के दम पर अपनी कीमत फिर से साबित करने का मौका मिलेगा।

इंडिया बी ने इंडिया ए को 83 रनों से हराया

मुंबई,16 दिसम्बर 2025। ओपनर वसीम इकबाल ने 51 गेंदों पर शानदार 66 रन बनाकर इंडिया बी को मंगलवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीन मैचों की फिजिकल डिसेबिलिटी टी 20 सीरीज़ के पहले मैच में इंडिया ए को 83 रनों से हराने में मदद की। फील्डिंग करने का फैसला करने के बाद, इंडिया ए इंडिया बी की बैटिंग लाइन-अप को कंट्रोल करने में जूझती रही, क्योंकि इकबाल ने इंडिया बी के लिए मोर्चा संभाला। इकबाल ने विक्रांत केनी के साथ दूसरे विकेट के लिए 77 रनों की पार्टनरशिप की। इसके बाद, इंडिया बी नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। इकबाल ने अपनी पारी में पांच चौके और सात छक्के लगाए। इंडिया ए के लिए सबसे अच्छे बॉलर जितेंद्र वी.एन. (2-23) रहे। इंडिया बी के लिए, दूसरे जिस बैट्समैन ने प्रभावित किया,वह थे जी.एस. शिवा (41)। इंडिया बी ने अपने 20 ओवरों में नौ विकेट पर 170 रन बनाए। जवाब में, इंडिया ए ने शुरू से ही संघर्ष किया क्योंकि वे नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। सिर्फ नंबर आठ पर आए आकाश पाटिल (30) ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन वह काफी नहीं था। इंडिया ए 16.5 ओवर में सिर्फ 87 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इंडिया %ब्% के लिए सबसे अच्छे बॉलर राइट-आर्म मीडियम-पेसर गणेश पिसाल (4-25) रहे।

शाहबाज अहमद के भारतीय टी 20 टीम में चयन पर मेवात में खुशी की लहर

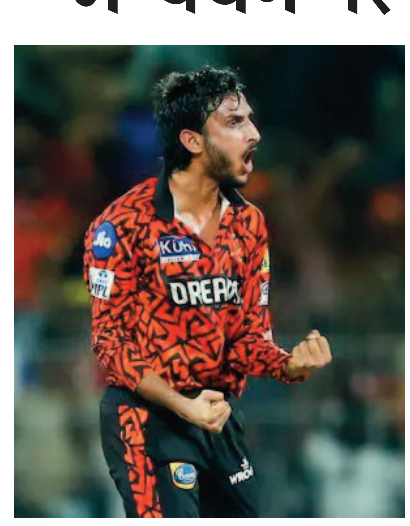

नूह,16 दिसम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए ऑलराउंडर शाहबाज अहमद का चयन भारतीय टीम के लिए किया गया है। शहबाज को इंजर्ड अक्षर पटेल की जगह टीम में मौका दिया गया है। लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे शाहबाज अहमद के गांव के साथ ही पूरे मेवात क्षेत्र में खुशियों का माहौल है और मिठाइयां बांटी जा रही हैं। शाहबाज अहमद मेवात क्षेत्र, जो अब नूंह जिले के अंतर्गत आता है, से संबंध रखने वाले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। वह बंगाल की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

चयन से पूर्व शाहबाज अहमद तावडू के एसपीएल क्रिकेट ग्राउंड पर लगातार अभ्यास कर रहे थे। वे दिन-रात मेहनत में जुटे हुए थे और स्थानीय युवा क्रिकेटरों के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास कर रहे थे। एसपीएल क्रिकेट ग्राउंड के संचालक राशीद अहमद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि शाहबाज एक होनहार मेवाती क्रिकेटर हैं। वे बेहद मेहनती हैं और एक भी दिन अभ्यास नहीं छोड़ते। चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताया है और उम्मीद है कि यदि उन्हें प्लेइंग-11 में मौका मिला तो वे अपना जौहर दिखाएंगे। उनका चयन मेवात और विशेष रूप से तावडू के लिए गर्व की बात है।

शीतकालीन-सत्र...35,000 करोड़ का सप्लीमेंट्री बजट पेश

विकास को मिलेगी गति : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

कांग्रेस बोली-कर्ज में डूबता जा रहा छत्तीसगढ़

रायपुर,16 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सदन में 35,000 करोड़ का सप्लीमेंट्री बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष खत्म होने से ठीक तीन महीने पहले पेश किए गए इस बड़े सप्लीमेंट्री बजट पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि इससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी। विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के इतिहास का सबसे बड़ा अनुपूरक बजट है। राजस्व व्यय को बढ़ाने की शुरुआत पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने की थी। कांग्रेस सरकार ने धान खरीदी को राजनीतिक विषय बना दिया। वहीं कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ लगातार कर्ज में डूबता जा रहा है। ऐसे में वित्तीय वर्ष के आखिरी तीन महीनों में 35 हजार करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट क्यों लाया गया, यह समझ से परे है। इस बजट में कोई ठोस विजन नजर नहीं आता। राघवेंद्र सिंह ने कहा कि महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं, लेकिन बिजली बिल के नाम पर उससे ज्यादा राशि वसूली जा रही है। सरकार का फोकस काम से ज्यादा इवेंट मैनेजमेंट पर है।

सड़क मरम्मत के मुद्दे पर बहस

प्रश्नकाल के दौरान ही सड़क मरम्मत को लेकर सदन में तीखी बहस हुई। कांग्रेस विधायक हर्षिता बघेल ने डोंगरगढ़ क्षेत्र सहित राजनांदगांव और खैरागढ़ जिलों की मरम्मत योग्य सड़कों पर कार्रवाई को लेकर लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के जवाब पर सवाल उठाए। मंत्री ने बताया कि दोनों जिलों में 48 सड़कें चिह्नित हैं, जिनमें 39 के टेंडर हो चुके हैं, 4 का काम पूरा हो गया है और 5 पर कार्य शुरू होना बाकी है। इस पर हर्षिता बघेल ने आरोप लगाया कि जमीनी स्तर पर किसी भी सड़क पर काम शुरू नहीं हुआ और मंत्री ने सदन को गलत जानकारी दी है। विवाद बढ़ने पर आसंदी ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मंत्री की ओर से दी गई जानकारी रिकॉर्ड में ली जाएगी और वही आधिकारिक मानी जाएगी, इसके बाद कार्यवाही आगे बढ़ी।

बीजेपी विधायक शुक्ला ने राशनकार्ड पर घेरा

कैंसर क्लिनिक और सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल निर्माण का मुद्दा उठा

जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने महारानी अस्पताल में प्रस्तावित कैंसर क्लिनिक और सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल के निर्माण में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि 12 जून 2025 को स्वीकृति मिलने के बावजूद अब तक सिर्फ टेंडर प्रक्रिया ही चल रही है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि डीपीआर निजी एजेंसी से तैयार कराई जाती है और ईएनसी के माध्यम से स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मंत्री ने यह भी बताया कि पूर्व प्रवास के दौरान माताओं के लिए एमआरडी भवन की मांग के बाद उसमें भी स्वीकृति जोड़ी गई। दोबारा सवाल पर मंत्री ने सदन में आश्वासन दिया कि कैंसर क्लिनिक और सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल दोनों का निर्माण कार्य जनवरी से शुरू कर दिया जाएगा।

सुशांत शुक्ला ने राशन कार्ड के मुद्दे पर खाद्य मंत्री को घेरा

इससे पहले भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने एपीएल से बीपीएल राशन कार्ड परिवर्तन के मुद्दे पर खाद्य मंत्री को घेरा। सुशांत शुक्ला ने अपनी ही सरकार पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एपीएल कार्ड डिलीट कर बीपीएल कार्ड बनाए गए। इस संबंध में एफआईआर भी दर्ज हुई है। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कोई परिवर्तन नहीं हुआ। जांच में सिर्फ 19 राशन कार्ड में गड़बड़ी मिली, जिनमें से 4 मामलों में जोन क्रमांक-4 के जोन कमिश्नर की अनुशंसा पर कार्रवाई की गई है और जांच जारी है। सुशांत शुक्ला ने फिर आपत्ति जताई, जबकि पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने आधे घंटे की चर्चा की मांग की। विधायक इंद्र कुमार साहू ने जैतूसाव मठ की जमीन बेचे जाने का मामला उठाया। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने माना कि रायपुर में भू-माफियाओं 10 जमीनें बेचीं। उनके मुताबिक दो मामले हाईकोर्ट से पेंडिंग हैं, आठ मामलों में एफआईआर करवा रहे हैं। विधायक ने सचिव स्तर समिति द्वारा जांच कराने की मांग की। वहीं धरमलाल कौशिक ने जल जीवन मिशन के मुद्दे पर डिप्टी सीएम अरुण साव को घेरा।

राजस्व मंत्री ने माना,बस्तर में बाढ़ से 12 लोगों की जान गई

इस दौरान, सदन में बस्तर में आई बाढ़ से बर्बादी का मुद्दा भी उठा, कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के सवाल का जवाब देते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने माना कि, बाढ़ में 12 लोगों की जान गई थी।

राघवेंद्र सिंह ने कहा कि नए पदों पर भर्ती, नियमितीकरण और किसानों को समय पर भुगतान जैसे वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। सड़कों, धान, आदिवासी, किसान, युवा और महिलाओं के विकास के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय कर काम करने की जरूरत बताई।

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों की घोषणा

दुर्ग-रायपुर में राजेंद्र,बस्तर में हेमराज बने प्रभारी,34 जिलाध्यक्ष भी नियुक्त

रायपुर,16 दिसम्बर 2025। बीजेपी पिछड़ा वर्ग मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रदेश ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से पदाधिकारियों की घोषणा की है। इसमें प्रदेश कार्यसमिति, जिलाध्यक्षों और संभाग प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

जारी सूची के अनुसार,राजेन्द्र नायक को रायपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि बिलासपुर संभाग की जिम्मेदारी शांतनु साहू को सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने दोनों नेताओं पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और ओबीसी समाज को पार्टी से जोड़ने की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। आदेश के मुताबिक, राजेन्द्र जायसवाल को दुर्ग संभाग का प्रभारी बनाया गया है। तुलसी साहू को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, सरगुजा संभाग की कमान होरीलाल सिन्हा को सौंपी गई है, जबकि बस्तर संभाग का प्रभारी हेमराज सोनी को बनाया गया है। संगठनात्मक संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए सभी संभागों में जिम्मेदारियां तय की गई हैं। पदाधिकारियों की सूची में प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री, मंत्री, सोशल मीडिया प्रभारी,प्रदेश कार्यालय प्रभारी सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्तियां की गई हैं। संगठन में युवाओं के साथ-साथ अनुभवी कार्यकर्ताओं को भी जगह दी गई है, ताकि आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।

छत्तीसगढ़ में 11 आईएएस का तबादला...6 जिलों के कलेक्टर बदले

भोस्कर विलास बनाए गए अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी,अजीत सरगुजा और कुणाल कोरबा कलेक्टर बने

रायपुर,16 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। 11 आईएएस अफसरों का तबादला हुआ है। कलेक्टर भोसकर विलास को अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा 6 जिलों के कलेक्टर भी बदले गए हैं। इनमें सरगुजा, कोरबा, दंतेवाड़ा, सुकमा, बेमेतरा और नारायणपुर शामिल हैं। अब तक कोरबा जिले के कलेक्टर रहे अजीत वसंत को अस्थायी रूप से सरगुजा का नया कलेक्टर बनाया गया है। वहीं कुणाल दुदावत को दंतेवाड़ा से हटाकर कोरबा का कलेक्टर, जबकि देवेश कुमार ध्रुव को सुकमा से ट्रांसफर कर दंतेवाड़ा का कलेक्टर नियुक्त किया गया है।

बेमेतरा और नारायणपुर जिले में भी बदलाव : सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रतिष्ठा ममगाई को नारायणपुर से ट्रांसफर कर बेमेतरा का कलेक्टर बनाया है। वहीं नम्रता जैन को रायपुर से हटाकर नारायणपुर जिले की नई कलेक्टर नियुक्त किया गया है। इसी तरह अमित कुमार को नगर निगम बिलासपुर के आयुक्त पद से हटाकर सुकमा जिले का कलेक्टर बनाया गया है। वहीं अमित कुमार की जगह पर प्रकाश कुमार सर्वे को नगर निगम बिलासपुर का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम में फेरबदल

बेमेतरा के कलेक्टर रहे रणबीर शर्मा को नई जिम्मेदारी देते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का प्रबंध संचालक बनाया गया है। उनके पदभार संभालने के बाद संजीव कुमार झा को एनएचएम के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है।

जिला पंचायत और मंत्रालय में भी तबादले

प्रशासनिक आदेश के तहत गजेन्द्र सिंह ठाकुर को जिला पंचायत धमतरी का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। वहीं रोमा श्रीवास्तव को धमतरी जिला पंचायत से हटाकर मंत्रालय में उप सचिव पद पर पदस्थ किया गया है।

नागरिक अधिकारों की अनदेखी...ध्वनि प्रदूषण और रास्ता बंद करने पर हाईकोर्ट सख्त

बिलासपुर,16 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में ध्वनि प्रदूषण, अवैध रूप से रास्ता बंद करने और खुले में कचरा जलाने जैसी समस्याओं को लेकर हाईकोर्ट ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। परीक्षा के समय शहर में बिगड़ती व्यवस्था को लेकर दाखिल जनहित याचिका और प्रकाशित खबरों पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने साफ कहा कि नागरिकों की शांति, स्वास्थ्य और बच्चों की पढ़ाई से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद-21 प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण वातावरण में जीने और सोने का मौलिक अधिकार देता है। इसके बावजूद यदि रातभर लाउडस्पीकर बजते रहें, रास्ते बंद कर दिए जाएं और कचरा खुले में जलाया जाए,तो यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने की। कोर्ट ने कलेक्टर, कमिश्नर और नगर निगम आयुक्त से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा है। केस की अगली सुनवाई आज होगी।

गृहमंत्री विजय शर्मा स्वयं पुलिस आरक्षक भर्ती पर उठ रहे शिकायतों की करेंगे सुनवाई

रायपुर,16 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में पुलिस आरक्षक भर्ती पर उठे रहे सवालों का गृहमंत्री विजय शर्मा के साथ भर्ती प्रमुख एडीजी एसआरपी कल्लूरी ने जवाब दिया है. प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी बताते हुए अभ्यर्थियों की शिकायतों की सुनवाई के लिए तारीख भी तय की गई है. जानकारी के अनुसार, एडीजी एसआरपी कल्लूरी जहां 19-20 दिसंबर को पीएचक्यू में अभ्यर्थियों की शिकायत सुनेंगे, वहीं गृह मंत्री विजय शर्मा 20 दिसंबर को सुनवाई करेंगे. समय सुबह 10 से शाम 6 बजे तक का तय किया गया है. आरक्षक भर्ती में पूरी पारदर्शिता के लिए त्तक्रकोड जारी किया गया है, जिसके जरिए सभी अभ्यर्थियों के नंबर देखे जा सकते हैं।

बीजापुर में 84 लाख के इनामी 34 नक्सलियों का सरेंडर

इनमें 7 महिलाएं शामिल,DVCM-PLGA रैंक के कैडर,5 पर 8-8 लाख का इनाम था

बीजापुर,16 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 34 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। इन पर 84 लाख रुपए का इनाम था। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में 7 महिलाएं और 27 पुरुष शामिल हैं। इनमें डिविजनल कमेटी मेंबर, केरलापाल एरिया कमेटी, PLGA, मिलिशिया के सदस्य और कमांडर शामिल हैं। जानकारी के अनुसार सरेंडर करने वाले 34 नक्सलियों में से 5 नक्सलियों पर 8-8 लाख का इनाम था। 3 नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था। वहीं 10 नक्सलियों पर 2-2 लाख रुपए और 7 नक्सलियों पर 1-1 लाख रुपए का इनाम था। नक्सलियों ने बीजापुर पुलिस अधीक्षक के सामने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील : बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने नक्सलियों से हिंसक रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास योजना नक्सलियों के लिए आकर्षक है। उनके परिवार भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिएं और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें।

जनवरी 2024 से अब तक 824 नक्सलियों ने किया सरेंडर : बीजापुर जिले में 1 जनवरी 2024 से अब तक कुल 824 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं। इसी दौरान 1079 नक्सली गिरफ्तार किए गए और 220 नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर एक्टिव 15 नक्सलियों ने बुधवार को कांकेर और गढ़चिरौली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था।

छत्तीसगढ़ में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र प्रक्रिया हुई पूरी तरह ऑनलाइन

रायपुर,16 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्य में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुगम बनाते हुए इसे पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। राज्य में अब जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जारी किए जा रहे हैं। भारत सरकार के महापंजीयक कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2023 में संशोधित ऑनलाइन पोर्टल के सफल क्रियान्वयन से यह व्यवस्था प्रभावी हुई है। संशोधित जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अनुसार अक्टूबर 2023 के बाद जन्म लेने वाले सभी बच्चों के लिए जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में जन्म प्रमाण पत्र ही एकमात्र वैध दस्तावेज होगा। इससे पहचान से जुड़ी प्रक्रियाओं में स्पष्टता और एकरूपता आई है। अक्टूबर 2023 से पहले जन्मे बच्चों के मामलों में पूर्व की तरह अन्य वैकल्पिक दस्तावेज भी मान्य रहेंगे। साथ ही, पहले जारी किए गए ऑफलाइन प्रमाण पत्रों को भी अब पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप में सुरक्षित किया जा सकता है।

फर्जी इनकम टैक्स टीम का धमतरी पुलिस ने किया भंडाफोड़,12 सदस्य गिरफ्तार

धमतरी,16 दिसम्बर 2025। फर्जी इनकम टैक्स टीम का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है, इस गिरोह में रत्नाबांधा रोड स्थित राठौर के घर फर्जी छापेमारी कर लूटपाट को अंजाम दिया था। एसपी सूरज सिंह परिहार ने खुलासा करते हुए बताया कि प्रार्थी दिलीप राठौर पिता स्व. बाबूलाल राठौर, उम्र 67 वर्ष, निवासी रत्नाबांधा धमतरी द्वारा दिनांक 12.12.2025 को थाना सिटी कोतवाली में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 17.11.2025 को लगभग 11.30 बजे 06-07 व्यक्ति स्वयं को इनकम टैक्स विभाग का अधिकारी बताकर बिना किसी पहचान पत्र एवं बिना वैध तलाशी वारंट के प्रार्थी के घर जबरन घुस आए। आरोपियों ने लगभग 02 से 02.30 घंटे तक घर के सभी कमरों, दराजों, आलमारियों एवं लॉकर की तलाशी ली तथा प्रार्थी को घर से बाहर निकलने नहीं दिया। तलाशी में कुछ न मिलने पर आरोपी दो कारों में बैठकर फरार हो गए। जिसकी रिपोर्ट पर धाना सिटी कोतवाली द्वारा तत्काल अप.क्र. 327/25 धारा 204, 319(2), 331(3), 61(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए एसपी सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। सायबर सेल के सहयोग से तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर टीमों को नागपुर (महाराष्ट्र), दुर्ग रायपुर एवं बालोद, दल्लीराजहरा (छत्तीसगढ़) की ओर आरोपियों की तलाश हेतु रवाना किया गया। निरंतर प्रयास एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर सभी आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर धमतरी लाया गया। आरोपियों से गहन पूछताछ की गई, जिसमें आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रार्थी के घर में 200 करोड़ रुपये रखें होने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसी सूचना के आधार पर आरोपियों ने आपस में संपर्क कर सुनियोजित षडयंत्र रचते हुए फर्जी इनकम टैक्स टीम का गठन किया और घटना को अंजाम दिया। जिसमें प्रार्थी द्वारा घटना में शामिल आरोपियों की विधिवत सही पहचान की गई। आरोपियों के पृथक पृथक मेमोरेण्डम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन (टाटा सफारी स्विफ्ट डिजायर एवं स्टिफ्ट कार), आपसी संपर्क में प्रयुक्त मोबाइल फोन तथा नकदी रखने हेतु प्रयुक्त जूट बोरी को विधिवत गवाहों के समक्ष जप्त किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)